दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471



अमन लेखनी



चॉकलेट केक-पेस्ट्रीज की बहार अमेजिंग स्वीट फेस्टिवल्स

साफ नीयत

वर्ष : 12 | अंक : 329 | लखनऊ, 28 नवम्बर ,शनिवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

गोवा विवि छात्र परिषद में एबीवीपी का डंका

पणजी। गोवा यूनिवर्सिटी में छात्र परिषद चुनाव के नतीजों ने इस बार एबीवीपी ने एकतरफा जीत हासिल की है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए हुए चुनाव में संगठन ने सभी 9 सीटों पर कब्जा किया है। अध्यक्ष और सचिव से लेकर महिला सदस्य और कार्यकारी सदस्यों तक हर पद पर एबीवीपी के उम्मीदवारों को जीत मिली है। किसी अन्य को कोई सीट नहीं मिली।



बेंगलुरु में नर्सिंग ग्रेजुएट की चाकू से हत्या

बेंगलुरु। यहां के कॉटनपेट इलाके में एक लॉज के अंदर शुक्रवार सुबह केरल की 22 वर्षीय नर्सिंग ग्रेजुएट की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि एक तीखी बहस के बाद उसके ही एक पुराने पुरुष दोस्त ने वारदात को अंजाम दिया। मृतक की पहचान केरलम के अट्टर जिले के अनिल कुमार की बेटी गंगा के रूप में हुई है। नौकरी की तलाश में गुरुवार को आई थी।



बाल विवाह के खिलाफ मंत्री ने निकाला मार्च

नई दिल्ली। बाल विवाह उन्मूलन दिवस की पूर्व संध्या पर दिल्ली में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने महिलाओं, किशोरियों और स्थानीय लोगों के साथ जागरूकता मार्च निकाला। कार्यक्रम में करीब 2,000 लोगों ने हिस्सा लिया और 2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त बनाने का संकल्प दोहराया। मंत्री ने लोगों से कुरीति खत्म करने की अपील की।



अब आशाओं को हर महीने मिलेंगे 10 हजार

देहरादून। उत्तराखंड में आशा कार्यकर्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में आशा कार्यकर्ताओं के मानदेय में 1700 रुपए की बढ़ोतरी के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। उनका मासिक मानदेय 8300 से बढ़कर 10 हजार हो जाएगा। ये स्वास्थ्य व्यवस्था में अहम भूमिका निभाती हैं।



स्पा सेंटरों की आड़ में देह व्यापार, 29 महिलाएं मुक्त

नई दिल्ली। दिल्ली के सेंट्रल जिले में स्पा सेंटरों की आड़ में कथित देह व्यापार चलाए जाने के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। नबी करीम, पहाड़गंज और करोल बाग इलाके के चार स्पा सेंटरों पर छापेमारी कर 29 महिलाओं को मुक्त कराया गया। पुलिस ने 15 लोगों को गिरफ्तार/हिरासत में लिया, जिनमें स्पा संचालक, मैनेजर, रिसेप्शनिस्ट और ग्राहक हैं।



सरकार ने बुलाया 4 दिन का विशेष संसद सत्र, मंत्री रिजिजू बोले

महत्वपूर्ण बिल या बिजनेस लाने के लिए सरकार बुला रही खास सत्र, सार्थक चर्चा की जाएगी

सभी राजनीतिक दलों से अपील की, इसे स्थापित परंपरा बताया

डॉ. राजकुमार सिंह चौहान
प्रधान संपादक / नई दिल्ली,

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति को पत्र लिखा है। सरकार ने संसद का 4 दिवसीय विशेष सत्र बुलाने का निर्णय लिया है। इस संबंध में लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति को पत्र भेजा गया है। 30 नवंबर और 1 दिसंबर को लोकसभा में अहम सरकारी कार्यकाज रखा जाएगा। इसके बाद वही कार्य 2 और 3 दिसंबर को राज्यसभा में लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों से भी अपील की है और मैंने प्रमुख दलों के नेताओं से बात की है। कुछ सांसदों ने बयान जारी कर कहा है कि सरकार नियमों के अनुसार काम नहीं कर रही है। ऐसे हल्के बयान नहीं दिए जाने चाहिए, क्योंकि जब भी कोई महत्वपूर्ण बिल या बिजनेस लाया जाना होता है, सरकार सत्र बुला सकती है। यह स्थापित परंपरा रही है। मैं सभी दलों के नेताओं और सांसदों से अनुरोध करता हूं बिलों पर अच्छी चर्चा होनी चाहिए।

इसमें कुछ नया नहीं



रिजिजू ने कहा कि अतीत में नहीं जाना चाहता, लेकिन पहले भी ऐसे उदाहरण रहे हैं जब पिछले सत्र को स्थगित किए बिना एक के बाद एक सत्र बुलाया गया। यह लोकतंत्र है, संसदीय लोकतंत्र है। जब भी कोई महत्वपूर्ण बिल या देश के लिए कोई काम करना होता है, सरकार संसद का सत्र बुलाती है। इसमें कुछ भी नया नहीं है। जब सरकार विशेष सत्र बुलाती है, तो इसका मतलब है कि कुछ विशेष काम किया जाना है।

संसद अच्छी तरह चले, यह सभी की जिम्मेदारी

आप सहमत हैं या सहमत नहीं हैं, यह विषय अलग है। लोकतंत्र में आप सरकार से सहमत भी हो सकते हैं और सरकार के काम के विरोध में भी बोल सकते हैं। लेकिन सत्र चलना चाहिए। देश सुनता है, देश के लोग भविष्य में इसे याद रखेंगे कि कैसे हम सदन के अंदर बोल रहे हैं। संसद अच्छी तरह से चले, इसकी जिम्मेदारी सभी सांसदों की है। अभी मैं आपको इतना सूचित करता हूं कि अहम कार्य लेकर आ रहे हैं। सभी सांसदों को मिलकर इसमें अच्छी भागीदारी करनी चाहिए।

कांग्रेस के वेणुगोपाल बोले

प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री बड़ा जाल बिछाना चाह रहे



परिसीमन विधेयक पेश किए जाने की अटकलों पर, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह भारत के लोगों के खिलाफ एक बड़ा जाल बिछाना चाहते हैं।

सपा के प्रमुख अखिलेश बोले

यह सरकार की सबसे बड़ी भूल



सपा के प्रमुख अखिलेश यादव ने विधेयक को लेकर सत्ताधारी बीजेपी पर निशाना साधा और कहा कि यह पार्टी की सबसे बड़ी राजनीतिक गलती साबित होगी। अखिलेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि परिसीमन भाजपा की सबसे बड़ी राजनीतिक गलती साबित होगी।

परिसीमन पर स्टालिन की दो टूक

'पीठ में छुरा घोंपने वालों' पर भी साधा निशाना



डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने परिसीमन पर रुख एक बार फिर साफ किया। स्टालिन ने स्पष्ट किया कि परिसीमन के दौरान तमिलनाडु को मिलने वाली लोकसभा सीटों के हिस्से से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। लोकसभा में राज्य की मौजूदा 7.18 फीसदी हिस्सेदारी कम नहीं होनी चाहिए, भले ही कुल सीटों की संख्या बढ़ा दी जाए। हमारा हक न छीना जाए। उन्होंने विजय सरकार में शामिल होने पर कांग्रेस पर निशाना साधा।

बिल पर जेडीयू बोली

महिलाओं का प्रतिनिधित्व और भागीदारी बढ़नी चाहिए



जेडीयू ने विशेष सत्र का समर्थन करते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री द्वारा महिलाओं के लिए आरक्षण के अपने वादे को पूरा करने का एक ईमानदार प्रयास है। राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि भागीदारी बढ़नी चाहिए।

सुले का अहम बयान

'इंडी' की बैठक में शामिल नहीं होंगी



मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने कहा कि वे संसद की विशेष बैठक में विपक्ष की रणनीति पर चर्चा के लिए शनिवार को बुलाई गई 'इंडी' की बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगी।

विद्युत मंत्रियों का 2 दिनी सम्मेलन

विद्युत क्षेत्र में 2 दशकों में 200 लाख करोड़ का निवेश होगा

अध्यक्षता खट्टर ने की, 28 राज्यों,8 केंद्र शासित प्रदेश शामिल



अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

विद्युत मंत्रियों का दो दिवसीय सम्मेलन शुक्रवार को नई दिल्ली में शुरू हुआ। इस सम्मेलन में 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के विद्युत मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और विद्युत नियामक भाग ले रहे हैं। सम्मेलन की अध्यक्षता केंद्रीय विद्युत एवं आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने की। इससे पहले यह सम्मेलन वर्ष 2024 में आयोजित किया गया था। सम्मेलन में भारत के विद्युत क्षेत्र की प्रमुख नीतिगत प्राथमिकताओं, उनके कार्यान्वयन से जुड़ी चुनौतियों, ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, विद्युत अवसंरचना के विस्तार और क्षेत्रीय सुधारों में तेजी लाने पर केंद्र तथा राज्यों के बीच विचार-विमर्श किया जा रहा है। खट्टर ने कहा कि देश के विद्युत क्षेत्र में अगले दो दशकों के दौरान 200 लाख करोड़ रुपए के निवेश की संभावनाएं हैं। इसके लिए सभी हितधारकों को समूहिक रूप से प्रयास करना होगा।

केंद्र और राज्यों के बीच समन्वित प्रयासों पर काम करें

खट्टर ने राज्यों के विद्युत मंत्रियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए विद्युत क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र और राज्यों के बीच मिलकर काम करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत ने विद्युत उत्पादन क्षमता के विस्तार, नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण और राष्ट्रीय ग्रिड को मजबूत करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। विकास यात्रा के अगले चरण में विद्युत क्षेत्र की योजना बनाने के लिए अधिक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है, जिसमें विद्युत उत्पादन, ऊर्जा भंडारण, पारेषण और वितरण को एक ही प्रणाली के परस्पर जुड़े घटकों को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई जाएं। उन्होंने राज्यों से स्मार्ट मीटर लगाने पर जोर दिया। राज्यों के सहयोग से बिजली वितरण कंपनियां लाभ की स्थिति में पहुंची हैं।

डिस्कॉम की वित्तीय स्थिति मजबूत करने पर जोर

खट्टर ने राज्यों और डिस्कॉम की सराहना करते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान सभी डिस्कॉम ने सामूहिक रूप से कर-पश्चात लाभ दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना होगा कि डिस्कॉम की वित्तीय स्थिति और मजबूत हो तथा नीतियों, परिचालन और विनियमन में आवश्यक बदलावों के माध्यम से इस सकारात्मक बदलाव को निरंतर बनाए रखा जा सके।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने ऋतव्रत को दिया झटका

नेता प्रतिपक्ष और चीफ व्हिप की नियुक्ति को किया खारिज

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

कलकत्ता हाई कोर्ट से पश्चिम बंगाल विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष ऋतव्रत बनर्जी को झटका लगा है। हाई कोर्ट ने पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष के 3 जून के उस फैसले को रद्द कर दिया है, जिसमें उन्होंने टीएमसी के बागी नेता ऋतव्रत बनर्जी को राज्य विधानसभा में विपक्ष का नेता नियुक्त किया गया था। कोर्ट ने स्पीकर से कहा है कि वे 10 दिन के अंदर इस बात पर दोबारा विचार करें कि नेता प्रतिपक्ष किसे बनाया जाना चाहिए? जस्टिस कृष्ण राव ने विपक्षी दल,टीएमसी के मुख्य सचेतक के रूप में अखरुजमां की नियुक्ति को भी रद्द कर दिया है। कलकत्ता हाई कोर्ट का यह फैसला टीएमसी (ममता गुट) के नेता शोभनदेब चट्टोपाध्याय की एक याचिका पर आया है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें उन्होंने ऋतव्रत को राज्य का नेता प्रतिपक्ष नियुक्त कर दिया था।



हिमाचल में पटवारी पेपर पर विवाद

सिखों को कड़ा- कृपाण पहनने पर रोका तो केंद्र पर मचा हंगामा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

हिमाचल भाजपा ने शुक्रवार को पटवारी पद के लिए फिर से परीक्षा की मांग की है। यह मांग एक अमृतधारी सिख उम्मीदवार के लिए की गई है। उसे राज्य में 'कड़ा' और 'कृपाण' पहनने के कारण परीक्षा में बैठने से कथित तौर पर रोका था। सिरमौर जिले के पांवटा साहिब में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रमुख गुरमीत सिंह ने कांग्रेस पर सिख विरोधी मानसिकता रखने का आरोप लगाया। उन्होंने सुक्खू सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू करने की धमकी दी। यह आंदोलन छात्र को फिर से परीक्षा का अवसर न मिलने पर किया जाएगा। गुरमीत सिंह ने सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने सोलन के देवभूमि इंस्टीट्यूट में हुई घटना की जांच की मांग की। प्रभावित उम्मीदवार के लिए फिर से परीक्षा कराने की भी मांग की।



पीड़ित परीक्षार्थी

राष्ट्रपति ने वैद्यरत्नम आयुर्वेद कॉलेज के स्वर्ण जयंती समारोहों के समापन पर कहा

प्रामाणिक और प्रभावी आयुर्वेद से समाज की सेवा करें सभी आयुर्वेद महाविद्यालय

स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में सक्षम विशेषज्ञ तैयार करें

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केरलम के त्रिशूर में वैद्यरत्नम आयुर्वेद कॉलेज के स्वर्ण जयंती समारोहों के समापन में कहा कि आयुर्वेद महाविद्यालयों को प्रामाणिक एवं प्रभावी आयुर्वेद के माध्यम से समाज की सेवा करनी चाहिए। उन्हें सम-सामयिक और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप आयुर्वेद की शिक्षा प्रदान करते हुए वर्तमान और भविष्य की स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में सक्षम विशेषज्ञ तैयार करने चाहिए। राज्य ने आयुर्वेद की शिक्षा की समृद्ध और को संरक्षित करने तथा आगे बढ़ाने में भी अहम योगदान दिया है।



समसामयिक और स्थानीयताओं के अनुरूप हो आयुर्वेद की शिक्षा

राष्ट्रपति ने कहा कि प्रत्येक आयुर्वेद महाविद्यालय को प्रामाणिक एवं प्रभावी आयुर्वेद के माध्यम से समाज की सेवा करनी चाहिए। इन संस्थानों में समसामयिक और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा दी जानी चाहिए, ताकि ऐसे विशेषज्ञ तैयार हो सकें।

कार्तिगई दीपम विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला

मुख्य सचिव, डीजीपी को अवमानना नोटिस, आज जलेगा दीप

मंदिर के न्यासी मंडल को निलंबित कर दिया, हलफनामा मांगा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु के प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा अपने राजनीतिक आकाओं के निर्देशों पर काम करने को गंभीरता से लेते हुए कार्तिगई दीपम संबंधी अपने आदेश के उल्लंघन को लेकर राज्य के मुख्य सचिव, डीजीपी, जिलाधिकारी और अधिकारियों को अवमानना नोटिस जारी किए। अरुलमिगु सुब्रमण्यस्वामी मंदिर के न्यासी मंडल को निलंबित कर दिया।





अदालत के आदेश की अवहेलना की इसे हम नजरअंदाज नहीं करेंगे

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने तमिलनाडु के मुख्य सचिव को व्यक्तिगत उपस्थित होने का निर्देश देते हुए अधिकारियों के बीच हुए ई-मेल, फोन पर हुई बातचीत का विस्तृत विवरण देते हुए हलफनामा दाखिल करने को कहा। पीठ ने कहा,अदालत के आदेशों का जानबूझकर अनुपालन नहीं किया गया।

सीआरपीएफ को जिम्मा

शीर्ष अदालत ने अपने आदेशों को लागू करने में तमिलनाडु पुलिस की विफलता का हवाला देते हुए अरुलमिगु सुब्रमण्यस्वामी मंदिर और तिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी की सुरक्षा का जिम्मा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को सौंप दिया।

नदियों में प्रदूषण पर कोर्ट बोला

राजस्थान सरकार को लगाई कड़ी फटकार, नहीं जागे तो कड़ी कार्रवाई होगी

राजस्थान में जोजरी, बांडी और लूनी नदियों के प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। शीर्ष अदालत ने सरकार के रवैए को बेहद सुस्त बताया। अधिकारी इस मामले में कुछ करना ही नहीं चाहते। अगर सरकार और उसके अधिकारी नहीं जागे तो सख्त कदम उठाने पड़ेंगे।

वाराणसी में काशी तमिल संगमम आज

यह पहल 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत बनाएगी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन शनिवार को वाराणसी में 'काशी तमिल संगमम' के पांचवें संस्करण का उद्घाटन करेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समापन सत्र में शामिल होंगे। शिक्षा मंत्रालय ने बताया आयोजन में तमिलनाडु और काशी के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, भाषाई और सभ्यतागत संबंधों का उत्सव मनाने के लिए 1,400 से अधिक प्रतिनिधि एकत्र होंगे। प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण से प्रेरित यह पहल दोनों क्षेत्रों के बीच संबंधों को मजबूत करने और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को बढ़ावा देने का प्रयास करती है। इसमें तमिल साहित्य की सबसे प्रसिद्ध कृतियों में से एक, तिरुक्कुरल के शाश्वत ज्ञान और नैतिक शिक्षाओं का उत्सव मनाया जाएगा। तिरुक्कुरल पथिलवोम' (आइए तिरुक्कुरल सीखें) विषय पर आधारित है।



अखिलेश ने मृत छात्रा के परिजन को दी आर्थिक सहायता

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में पिछले दिनों रायबरेली में डम्फर से सड़क दुर्घटना में मृत छात्रा श्रेया गुप्ता के पिता सुरेश गुप्ता, मां अंशू गुप्ता तथा चाचा मनोज गुप्ता को 5 लाख रुपए का चेक देकर आर्थिक मदद की। यह धनराशि सपा के प्रदेश सचिव शशिकांत शर्मा एवं जिलाध्यक्ष बीरेन्द्र यादव सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारियों के अंशदान तथा स्वयं पार्टी की ओर से भी जोड़कर आर्थिक मदद दी गई है।

एकेटीयू में कैंपस ड्राइव का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में शुक्रवार को ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग की ओर से कैंपस प्लेसमेंट के लिए ड्राइव का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय के निर्देशन में एड्रोसोनिक कन्सल्टेंसी प्रा. लि. ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर एवं असिस्टेंट सॉफ्टवेयर इंजीनियर पद के लिए परिसर में जीडी व पर्सनल राउंड के लिए बीटेक सीएस एवं आईटी के 127 छात्रों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान कंपनी के अधिकारियों ने छात्रों को परखा। ड्राइव का नेतृत्व डीन ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट प्रो. अरुणिमा वर्मा ने किया।

प्रयोशालाओं को देख छात्र हुए उत्साहित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय को शुक्रवार को पीएम श्रीराजकीय इंटर कॉलेज मिल्कीपुर आयोध्या के छात्रों का दल सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज के विभिन्न प्रयोगशाला पहुंचा। छात्रों ने विभिन्न प्रयोगशालाओं को देखा और उनके कार्यों को जाना। इस दौरान डीन एकेडमिक्स डॉ. अनुज कुमार शर्मा ने छात्रों को गूगल कोडिंग लैय, रोबोटिक्स लय, आइडिया लैब सहित अन्य लैब के बारे में छात्रों को जानकारी दी। साथ ही बताया कि कैसे इन लैब के जरिये छात्र और शिक्षक अपने प्रयोग और अनुसंधान को करते हैं।

रॉन्ग साइड से आए डाले ने दो लोगों को रौंदा, एक की मौत, दूसरा गंभीर

कार के पास खड़े होकर कर रहे थे बातचीत, टक्कर के बाद सड़क पर पलटा डाला; चालक फरार

अमन लेखनी समाचार



मृतक उमेश फाइल फोटो



पलटा पड़ा डाला फोटो

लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र में लखनऊ-हरदोई हाईवे पर शुक्रवार रात रॉन्ग साइड से आए तेज रफ्तार छोटा हाथी डाले ने कार के पास खड़े दो लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों कई मीटर दूर उछलकर सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद डाला भी अनियंत्रित होकर कुछ दूर आगे सड़क पर पलट गया। ग्रामीणों ने आनन-फानन दोनों घायलों को मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने एक को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे की हालत गंभीर देखते हुए उसे लखनऊ रेफर कर दिया।

रहीमाबाद के भतोइया गांव निवासी उमेश सिंह उर्फ राजा (45) शुक्रवार रात करीब 9:30 बजे अपने साथी विनोद कनौजिया के साथ गांव के पास स्थित अपने बाग के निकट सर्विस लेन पर कार के बगल में खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान लखनऊ की ओर से रॉन्ग साइड में तेज रफ्तार से आ रहे छोटा हाथी डाले ने दोनों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं डाला भी अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया।

ग्रामीणों की मदद से दोनों को सीएचसी मलिहाबाद ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उमेश सिंह को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल विनोद कनौजिया को प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि हादसे के समय डाला चालक नशे में धुत था। और टक्कर मारकर मौके से फरार हो गया।

उमेश खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में मां सीता, पत्नी मंजू और दो बेटे ओम व वीओम हैं। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा है। पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है। मृतक के भतीजे राघवेंद्र सिंह की तहरीर पर चालक विकास के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फरार चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पत्रकारों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

खुशी फॉउण्डेशन एवं डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल की पहल

अमन लेखनी समाचार



लखनऊ। पत्रकारों के स्वास्थ्य एवं बेहतर नेत्र देखभाल को ध्यान में रखते हुए खुशी फॉउण्डेशन एवं डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को पत्रकारों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल, गोमतीनगर में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में पत्रकारों ने सहभागिता की और अपनी आंखों की निःशुल्क जांच कराई। शिविर में डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल की ओर से आए नेत्र विशेषज्ञों एवं चिकित्सा टीम ने पत्रकारों की आंखों की जांच की। इस दौरान दृष्टि संबंधी समस्याओं, आंखों में थकान, जलन एवं अन्य नेत्र रोगों के लक्षणों और उनसे बचाव के उपायों के बारे में भी जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने लगातार स्क्रीन पर काम करने और लंबे समय तक मोबाइल एवं कंप्यूटर का इस्तेमाल करने वाले पत्रकारों को आंखों की विशेष देखभाल करने की सलाह दी। इस अवसर पर डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल की ओर से शरद श्रीवास्तव ने कहा कि पत्रकार समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। समाचार संकलन और लेखन के दौरान उन्हें लंबे समय तक मोबाइल, लैपटॉप एवं कंप्यूटर स्क्रीन पर काम करना पड़ता है, जिसका असर उनकी आंखों के स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। ऐसे में नियमित नेत्र जांच और आंखों की उचित देखभाल बेहद जरूरी है। उन्होंने खुशी फॉउण्डेशन के साथ इस विशेष पहल में सहयोग करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। खुशी फॉउण्डेशन की ओर से बताया गया कि पत्रकार दिन-रात समाज और आमजन से जुड़ी खबरों को लोगों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। ऐसे में उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी आवश्यक है। इसी उद्देश्य से पत्रकारों के लिए इस निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया, ताकि उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। कार्यक्रम के आयोजकों ने डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल की चिकित्सा टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी पत्रकारों एवं समाज के विभिन्न वर्गों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए इस तरह के जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

खेत में खड़ी धान की फसल पर दवा डालकर नष्ट करने का आरोप, 4 के खिलाफ रिपोर्ट



जमीन विवाद में पककर तैयार धान की फसल बर्बाद की, किसान ने लगाई न्याय की गुहार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में करीब दो माह पहले खेत में खड़ी धान की पककर तैयार फसल पर दवा डालकर नष्ट करने का मामला सामने आया है। इस मामले मे पीड़ित किसान ने गांव के ही चार लोगों पर फसल बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। बिजनौर के परवर पश्चिम स्थित गढ़ी मवैया निवासी जगदीश रावत पुत्र हीरालाल रावत के मुताबिक उनके खेत में धान की फसल पककर कटाई के लिए तैयार थी। आरोप है कि बीती 22 और 23 सितंबर 2026 के बीच कल्ली पश्चिम निवासी सत्यनारायण उर्फ संतोष, रितिक रावत, अनीस रावत और अशरफ नगर ढोरवा निवासी गीता पत्नी गुड्डूराम ने फसल पर दवा डालकर उसे नष्ट कर दिया। पीड़ित का कहना है कि आरोपियों से उसका जमीन को लेकर पहले से तहसील में विवाद चल रहा है। फिलहाल पीड़ित की तहरीर पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पिकअप अपसीक की टक्कर से स्कूटी सवार युवती की मौत, मां गंभीर घायल

ट्रांसपोर्ट नगर में पिकअप ने स्कूटी को मारी टक्कर, बेटी की जान गई, आरोपी चालक फरार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में करीब एक माह पहले तेज रफ्तार अज्ञात पिकअप डाला की टक्कर से हुई स्कूटी सवार युवती की मौत मामले में मृतका के पिता ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्नाव जिले के ठोकरेपुर, पकरा बुजुर्ग निवासी बृजेश गौतम के मुताबिक 23 अक्टूबर को उनकी पत्नी मीना गौतम और 19 वर्षीय बेटी नीलाक्षी गौतम सरोजनीनगर के ट्रांसपोर्ट नगर से घरेलू सामान खरीदकर स्कूटी से बिजनौर स्थित अपने घर न्यू गड़ौरा, सेक्टर-ओ लौट रही थीं। वह शाम करीब 6:30 बजे पार्किंग नंबर-9 स्थित पंजाब नेशनल बैंक के सामने पहुंचीं, तभी पीछे से आए तेज रफ्तार पिकअप डाला ने उनकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे मां-बेटी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। राहगीरों की मदद से दोनों को लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया गया। जहाँ गंभीर हालत देख चिकित्सकों ने उन्हें एपेक्स ट्रामा सेंटर पीजीआई रेफर कर दिया। लेकिन वहाँ चिकित्सकों ने नीलाक्षी को मृत घोषित कर दिया, जबकि उसकी मां की हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं घटना के बाद वाहन चालक मोके से वाहन सहित भाग निकला। फिलहाल पीड़ित की तहरीर पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों के सहारे वाहन और उसके चालक का पता लगा रही है।

बिजली विभाग को निशाना बनाकर चोरों ने 370 मीटर एबी कंडक्टर काटा, 2 नलकूपों की बिजली ठप

ट्रांसफार्मरों की एलटी लाइन से केबल चोरी, बिजली विभाग ने दर्ज कराई रिपोर्ट

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में चोरों ने बीते दिनों बिजली विभाग को निशाना बनाते हुए दो कृषि ट्रांसफार्मरों से जुड़ी एलटी लाइन का करीब 370 मीटर एबी कंडक्टर काटकर चोरी कर लिया। इससे दो नलकूपों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। जानकारी होने के बाद इस मामले में गहरू पावर हाउस के अवर अभियंता अमित कुमार उपाध्याय ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। अवर अभियंता अमित के मुताबिक बीती 17 नवंबर की रात अज्ञात चोरों ने 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र गहरू से पोषित 63 केवीए कृषि ट्रांसफार्मर राम गोपाल सिंह फर्म के पास से चार स्पैन (210 मीटर) एबी कंडक्टर काट लिया। वहीं राजा राम के गडेरियन खेड़ा स्थित नलकूप के लिए लगे 25 केवीए ट्रांसफार्मर की लाइन से तीन स्पैन (160 मीटर) केबल चोरी कर ली। अवर अभियंता का कहना है कि दोनों घटनाओं से नलकूपों की आपूर्ति ठप हो गई। फिलहाल पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोरों का सुराग लगाने में जुटी है।

लखनऊ एयरपोर्ट पर वार्षिक सुरक्षा मॉक ड्रिल, 150 कर्मियों ने परखी आपातकालीन तैयारियां

टर्मिनल-3 पर निकासी अभ्यास में CISF, पुलिस, ATS और फायर टीम ने दिखाया समन्वय

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर शुक्रवार को वार्षिक सुरक्षा और आपातकालीन निकासी मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान एयरपोर्ट पर किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने, यात्रियों की सुरक्षित निकासी और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों के दौरान विभिन्न एजेंसियों की तत्परता को परखा गया। अभ्यास का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करना था। मॉक ड्रिल में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), उत्तर प्रदेश पुलिस, आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस), इंटेलिजेंस ब्यूरो, एयरपोर्ट रेस्क्यू एंड फायर फाइटिंग टीम, मेडिकल टीम और विभिन्न एयरलाइंस के प्रतिनिधियों सहित करीब 150 कर्मियों ने हिस्सा लिया। सभी एजेंसियों के कर्मचारियों ने निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रक्रिया का अभ्यास किया। इस दौरान लखनऊ एयरपोर्ट की ओर से चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर अजीत सिंह ने सक्रिय भूमिका निभाई। सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए डॉग स्क्वॉड और थ्रेट कंटेनमेंट व्हीकल की भी तैनाती की गई। अभ्यास के दौरान विभिन्न एजेंसियों के बीच तालमेल, परिचालन क्षमता और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली का परीक्षण किया गया। एयरपोर्ट प्रशासन के मुताबिक इस तरह के नियमित अभ्यास से सुरक्षा व्यवस्था की कमियों को पहचानने और उन्हें दूर करने में मदद मिलती है। साथ ही यात्रियों, एयरपोर्ट कर्मचारियों और हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तैयारियों को लगातार मजबूत किया जाता है।

परिणाम भाषणों से नहीं, ईमानदारी व कर्तव्य से आते हैं: मुख्यमंत्री

शक्तिपीठ देवीपाटन में महंत महेंद्र नाथ जी की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में हुए शामिल

अमन लेखनी समाचार

- शाहजहां ने भी औरंगजेब से कहा था- तुमसे अच्छे हिंदू, जो मरने के बाद भी पूर्वजों को देते हैं पानी: मुख्यमंत्री
- जाति, क्षेत्र और भाषा से ऊपर उठकर एक राष्ट्र के बारे में सोचें
- संत का कोई व्यक्तिगत परिवार नहीं होता, वह समाज और राष्ट्र के लिए बनाता है स्कूल व अस्पताल

बलरामपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि परिणाम भाषणों या उपदेशों से नहीं, बल्कि पुरुषार्थ, परिश्रम और ईमानदारी से अपने कर्तव्यों के निर्वहन से आते हैं। जब छात्र ईमानदारी से पढ़ाई करेगा, शिक्षक बच्चों को पारंगत करेगा, किसान खेतों में परिश्रम करेगा, व्यापारी ईमानदारी से व्यापार करेगा, गृहस्थ बच्चों को संस्कारित करेगा, संत जनजागरण करेगा और गोपालक गोमाता की सेवा करेगा, तभी राष्ट्र सशक्त और समर्थ बनेगा। मुख्यमंत्री शुक्रवार को तुलसीपुर स्थित शक्तिपीठ देवीपाटन में ब्रह्मलीन महंत महेंद्र नाथ जी महाराज की पावन पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित साप्ताहिक श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ में सम्मिलित हुए। उन्होंने व्यास पीठ व शक्तिपीठ को नमन करते हुए ब्रह्मलीन महंत महेंद्र नाथ जी महाराज को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने बताया कि 30 नवंबर को कथा का विराम एवं भंडारा होगा, किंतु अन्य कार्यक्रमों में व्यस्तता के कारण वे तीन दिन पूर्व ही अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और सनातन धर्म को अलग करके नहीं देखा जा सकता, दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि भारत मजबूत होगा तो सनातन धर्म मजबूत होगा और सनातन धर्म सशक्त होगा तो भारत भी समर्थ बनेगा। इसी भावना के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिया गया 'नेशन फर्स्ट' (राष्ट्र प्रथम) का मंत्र हर भारतीय का संकल्प बनना चाहिए।

उन्होंने कहा कि विगत पांच हजार वर्षों से श्रीमद्भागवत महापुराण की कथा ज्ञान, भक्ति और वैराग्य के माध्यम से किंकर्तव्यविमूढ़ समाज को धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दे रही है। जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में यह पावन कथा हर सनातन धर्मावलंबी का मार्गदर्शन करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन धर्म कृतज्ञता ज्ञापित करने की महान परंपरा का वाहक है। आश्विन मास के कृष्ण पक्ष के पूरे 15 दिन हम अपने पूर्वजों के प्रति श्राद्ध और तर्पण के लिए समर्पित करते हैं। उन्होंने ऐतिहासिक प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि जब क्रूर औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को आगरा के किले में कैद कर 24 घंटे में केवल एक छोटे घड़े में पानी दिया और वह एक-एक बूंद को तरसने लगा, तब शाहजहां ने औरंगजेब को कोसते हुए कहा था कि तुमसे अच्छे तो हिंदू हैं, जो जीते-जी बुजुर्गों की सेवा करते हैं और मरने के बाद भी वर्ष में एक बार श्राद्ध-तर्पण कर उनका स्मरण करते हैं। मुख्यमंत्री ने रामायण के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि लंका प्रस्थान के समय मैनाक पर्वत द्वारा विश्राम का आग्रह करने पर हनुमान जी ने कहा था– 'राम काज कीन्हें बिनु मोहि कहां विश्राम' और 'कृते च प्रतिकर्तव्यं एष धर्मः सनातनः', अर्थात उपकार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना ही सनातन धर्म है।



उन्होंने आगाह किया कि जब तक सनातन धर्मावलंबियों में कृतज्ञता का यह भाव बना रहेगा और हम जाति, क्षेत्र व भाषा भेद से ऊपर उठकर एक राष्ट्र के बारे में सोचेंगे, तभी तक भारत सुरक्षित और अखंड बना रहेगा। ब्रह्मलीन महंत महेंद्र नाथ जी महाराज के कृतित्व को नमन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक संत का कोई व्यक्तिगत परिवार नहीं होता, वह समाज, देश और धर्म के लिए जीता है। महंत महेंद्र नाथ जी ने गोरखपुर में पूज्य गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के सानिध्य में जो कुछ सीखा, उसे देवीपाटन में साकार किया।

उन्होंने 1994 में थारू जनजाति के बच्चों के लिए छात्रावास शुरू कराया, धर्मशालाएं बनवाईं, नंद महरा में स्कूल, अस्पताल, तुलसीपुर में सीबीएसई विद्यालय, मंदिर सौंदर्यीकरण, गोशाला विस्तार और निशुल्क अन्नपूर्णा भोजनालय जैसी जनसेवा की अनेक परियोजनाएं आगे बढ़ाईं। किसी भी संत को सच्ची श्रद्धांजलि यही है कि हम सनातन मूल्यों को जीवन में चरितार्थ करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिशक्ति मां भगवती की यह पौराणिक शक्तिपीठ गुरु गोरक्षनाथ से लेकर दांग (नेपाल) के राजकुमार सिद्ध योगी पीर रतन नाथ जी महाराज की महान परंपरा से जुड़ी है। प्रतिवर्ष चैत्र नवरात्रि पर नेपाल से पीर रतन नाथ जी की सवारी यहां आती है। इस शक्तिपीठ की आस्था देश की सीमाओं को लांघती है और उत्तर प्रदेश व देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ मित्र राष्ट्र नेपाल से भी लाखों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं। समारोह में कथा व्यास संत बालक दास जी महाराज, शक्तिपीठ देवीपाटन के महंत एवं आयोजक मिथिलेश नाथ जी महाराज, कालीबाड़ी गोरखपुर के महंत रवींद्र दास जी महाराज, हनुमानगढ़ी अयोध्या धाम के महंत राजू दास जी महाराज, हनुमानगढ़ी बलरामपुर के महंत महेंद्र दास जी महाराज, हिसार (हरियाणा) से पधारे महंत विनोद नाथ जी महाराज व महंत दीनानाथ जी महाराज, नेपाल से पधारे योगी नारायण नाथ जी, महंत जितेंद्र दास जी, तपसी धाम बस्ती के महंत जय बख्श दास जी महाराज व महंत सर्वेश दास जी महाराज उपस्थित रहे।

इसके अलावा जिला पंचायत अध्यक्ष बलरामपुर आरती तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रावस्ती दद्दन मिश्रा, विधायक कैलाश नाथ शुक्ला, विधायक पलटूराम, विधायक राम फेरन पांडेय और विधायक राम प्रताप वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साधु-संतों और श्रद्धालुओं ने भी सहभागिता की।

वारंटी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। महानगर पुलिस ने गैर-जमानतीय वारंट (एनबीडब्ल्यू) में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। आरोपी विचाराधीन मुकदमे में पेशी पर अनुपस्थित चल रहा था।

पुलिस के अनुसार अभियुक्त प्रमोद कश्यप (40) पुत्र स्व0 गुरुदेव कश्यप निवासी-बाबा का पुरवा नं0 08 महानगर जो काफी दिनो से एडीजे 11/एनडीपीएस एक्ट जनपद लखनऊ द्वारा निर्गत गैर जमानतीय वारंट का आरोपी था।

न्यायालय में तारीख पेशी पर उपस्थित न होने के कारण अभियुक्त प्रमोद कश्यप पुत्र स्व0 गुरुदेव कश्यप के विरूद्ध वाद संख्या 1798/22 अ0सं0 06/20 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट थाना महानगर लखनऊ में न्यायालय द्वारा गैर जमानतीय वारण्ट जारी किया गया था। अभियुक्त प्रमोद कश्यप पुत्र स्व0 गुरुदेव कश्यप को महानगर पुलिस ने 27 नवम्बर को बाबा का पुरवा नं0 08 थाना महानगर से सुबह करीब 10.30 बजे गिरफ्तार किया।

स्वदेशी मेडिकल डिवाइस के विकास को मिलेगा बढ़ावा

- जिम्स के डॉक्टर बन सकेंगे आंत्रप्रेन्योर
- एम्स के बाद यूपी में पहली बार सरकारी मेडिकल संस्थान ने अपनाई राष्ट्रीय नवाचार एवं स्टार्टअप नीति-2019

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में योगी सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। अब ग्रेटर नोएडा स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) के डॉक्टर इलाज और चिकित्सा शिक्षा के साथ स्वदेशी मेडिकल डिवाइस एवं हेल्थकेयर तकनीक के विकास में भी भागीदार बन सकेंगे। इसके लिए संस्थान ने फैकल्टी सदस्यों और विद्यार्थियों के लिए भारत सरकार की राष्ट्रीय नवाचार एवं स्टार्टअप नीति-2019 को अपनाने का निर्णय लिया है। गवर्निंग बॉडी ने इस नीति को मंजूरी प्रदान कर दी है।

इस पहल के साथ जिम्स प्रदेश का पहला सरकारी मेडिकल संस्थान बन गया है, जिसने मेडिकल शिक्षा को नवाचार और उद्यमिता से जोड़ने की दिशा में यह कदम उठाया है। इससे प्रदेश में मेडिकल स्टार्टअप और स्वदेशी चिकित्सा तकनीक के विकास की नई संभावनाएं खुलेंगी। राष्ट्रीय नवाचार एवं स्टार्टअप नीति का उद्देश्य मेडिकल विद्यार्थियों, डॉक्टरों, फैकल्टी सदस्यों और शोधकर्ताओं को अपने विचारों, शोध और क्लीनिकल अनुभव को तकनीकी नवाचार एवं स्टार्टअप में बदलने के लिए संस्थागत मंच उपलब्ध कराना है। इसके तहत अनुसंधान के व्यावसायीकरण, बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण, तकनीकी उद्यमिता और स्वदेशी मेडिकल उपकरणों के विकास को प्रोत्साहित किया जाएगा।

इससे डॉक्टर केवल मेडिकल तकनीक के उपयोगकर्ता नहीं रहेंगे, बल्कि उसके विचार, डिजाइन, विकास और क्लीनिकल वैलिडेशन में भी सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे। अस्पतालों में इलाज के दौरान सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए डॉक्टरों के साथ इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और उद्यमियों को जोड़ने पर जोर दिया जाएगा। जिम्स में पहले से ही मेडिकल इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए कई संस्थागत पहल संचालित हैं। इनमें सेंटर फॉर मेडिकल इनोवेशन (सीएमआई), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग समर्थित आईटीबीआई इनक्यूबेशन पहल, बाइरैक बायोनेस्ट, एसटीपीआई मेडटेक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्पोक सेंटर और उत्तर प्रदेश स्टार्टअप मिशन के अंतर्गत मेडिकल इनक्यूबेशन सेंटर शामिल हैं।

नई नीति लागू होने से इन पहलों को संस्थागत मजबूती मिलेगी। साथ ही मेडिकल क्षेत्र में अनुसंधान, तकनीकी उद्यमिता और स्वदेशी उपकरणों के निर्माण को गति मिलेगी। इससे प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरतों के अनुरूप नई तकनीक विकसित करने और मेडिकल स्टार्टअप को आगे बढ़ाने का रास्ता मजबूत होगा। जिम्स के निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. राकेश गुप्ता ने कहा कि गवर्निंग बॉडी की ओर से राष्ट्रीय नवाचार एवं स्टार्टअप नीति-2019 को मंजूरी देना चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार को बढ़ावा देने वाला दूरदर्शी निर्णय है।

मेडिकल संस्थानों की भूमिका केवल डॉक्टर तैयार करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उन्हें ऐसी तकनीकों और नवाचारों के विकास का केंद्र भी बनना चाहिए, जो स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक चुनौतियों का समाधान कर सकें।

यह नीति विद्यार्थियों, फैकल्टी और शोधकर्ताओं को अपने विचारों को व्यावहारिक समाधानों में बदलने के लिए प्रोत्साहित करेगी। सेंटर फॉर मेडिकल इनोवेशन के सीईओ डॉ. राहुल सिंह ने इस निर्णय को मेडिकल इनोवेशन और हेल्थकेयर उद्यमिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अवसर बताया। उन्होंने कहा कि मेडिकल विद्यार्थियों, डॉक्टरों और फैकल्टी को ऐसे अवसर मिलने चाहिए, जिनसे वे अपने क्लीनिकल अनुभव, शोध और विचारों को स्टार्टअप तथा स्वदेशी मेडिकल टेक्नोलॉजी में बदल सकें। संस्थान का लक्ष्य डॉक्टरों, इंजीनियरों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और उद्यमियों को एक मंच पर लाकर भारत की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के अनुरूप मेडिकल डिवाइस और हेल्थकेयर तकनीक विकसित करना है।

युवक को रास्ते में दबंगों ने पीटा

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में स्कूल के बच्चों को छोड़कर स्कूटी से घर लौट रहे युवक को रास्ते में घेरकर दबंगों ने लाठी-डंडों से पीटा। हमले से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित की मां ने दो नामजद और दो लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। आरोप है कि बेटे को लाठी-डंडे से पीटकर घायल किया।

एसीपी गोसाईंगंज ऋषभ कुमार यादव के अनुसार गोसाईंगंज के रामबक्स खेड़ा निवासी रामरानी का बेटा वीरेंद्र कुमार (33) 26 नवंबर को सुबह बच्चों को स्कूल छोड़कर स्कूटी से घर वापस आ रहा था। उसी दौरान मझिगवां गांव के पास नहर पर पहले से घात लगाए बैठे दबंग कौशल, उसके बेटे नितिन और दो अज्ञात लोगों ने उसे रोक लिया। आरोप है कि गाली-गलौज करते हुए उसे स्कूटी से नीचे उतार लिया। लाठी-डंडों व लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा। मारपीट में वीरेंद्र को काफी चोटें आईं। वह उठने की हालत में भी नहीं रहा। आरोपी धमकी देते हुए मौके से भाग निकले। घायल वीरेंद्र की मां रामरानी की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिजली चोरी पकड़ने में भेदभाव के आरोप

- छापेमारी में बॉडी कैमरा अनिवार्य होने के बावजूद उठ रहे सवाल
- लेसा मध्य जोन, सिस जोन में चोरी पकड़ने के बाद छोड़ने के आरोप ज्यादा
- एमडी ने लिया है संज्ञान, वर्टिकल के बाद ही चोरी का हो सकती है जांच
- नियम के तहत बिना विडियों का कोई भी अधिकारी चोरी नही पकड़ेगा
- चोरी पकड़ने के बाद उपभोक्ता का लोड सही भरा जाना चाहिए

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के अंतर्गत बिजली चोरी रोकने के लिए पुलिस और बिजली विभाग के अवर अभियंताओं (जेई) व लाइनमैन की संयुक्त टीमें गठित कर छापेमारी कराई जाती है। लेकिन इन कार्रवाइयों की निष्पक्षता को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि छापेमारी के दौरान एक ही इलाके में कई घरों में बिजली चोरी मिलने के बावजूद केवल एक या दो लोगों के खिलाफ ही कार्रवाई की जाती है, जबकि बाकी लोगों को छोड़ दिया जाता है।

कुछ लोगों का कहना है कि विभागीय कर्मचारियों की मिलीभगत से पहले ही सब कुछ तय रहता है। आरोप है कि क्षेत्र में तैनात लाइनमैन को जानकारी होती है कि कहां बिजली चोरी हो रही है। वह अपनी पसंद के लोगों को कार्रवाई के लिए चिह्नित करवाता है, जबकि अन्य लोगों की चोरी को नजर अंदाज कर दिया जाता है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी 2026 में निगम के 19 जिलों में 98,840 बिजली चोरी के मामले आए थे, जिन पर करीब 1,229 करोड़ रुपये बकाया बताया गया था। इतने बड़े स्तर पर बिजली चोरी के मामलों को देखते हुए जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता जरूरी है।

खास बात यह है कि उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन ने जनवरी 2026 में सभी वितरण निगमों के लिए छापेमारी के दौरान बॉडी वार्न कैमरा अनिवार्य करने की एसओपी जारी की थी। इसके तहत कैमरा चालू रखकर पूरी जांच, साक्ष्य, टीम की कार्रवाई और उपभोक्ता से बातचीत रिकॉर्ड करना जरूरी है। कैमरा खराब होने पर जांच नहीं की जानी चाहिए। अब जरूरत है कि मध्यांचल में इन निर्देशों का सख्ती से पालन कराया जाए। साथ ही प्रत्येक जांच की रिपोर्ट मौके पर तैयार हो, टीम के सभी सदस्य हस्ताक्षर करें और उसकी प्रति उपभोक्ता को दी जाए। आसपास के स्वतंत्र लोगों के हस्ताक्षर भी अतिरिक्त पारदर्शिता के लिए कराए जा सकते हैं, हालांकि यह अनिवार्य वैधानिक शर्त नहीं है। बिजली विभाग के उच्चाधिकारियों को छापेमारी की वीडियो रिकॉर्डिंग, दर्ज एफ

संक्षेप

छज्जे से नीचे गिरकर युवती घायल हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। छत पर गई युवती छज्जे से नीचे गिरकर बुरी तरह जख्मी हो गई जिसे बांगरमऊ अस्पताल से रेफर कर दिया गया। बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र के गांव छोटी रूरी निवासी 24 वर्षीय शिवानी सिंह पुत्री राजेश सिंह घर की छत पर गई हुई थी तभी किसी तरह छज्जे पर पहुंचते ही संतुलन बिगड़ने से वह नीचे आ गिरी तथा बुरी तरह चोटिल हो गई घटना के बाद परिजन उसे लेकर बांगरमऊ अस्पताल पहुंचे जहां के चिकित्सकों ने सर में गम्भीर चोट होने की आशंका जताते जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

गैर जनपद स्थानान्तरण होने पर स्थानीय लोगो ने की विदाई

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शुक्रवार को असोहा थानाध्यक्ष फूल सिंह का गैर जनपद (लखीमपुर खीरी) स्थानांतरण होने पर थाना परिसर मे विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र के प्रधानों ,पत्रकारों और संभ्रांत लोगो ने थानाध्यक्ष के सराहनीय कार्यकाल की सराहना की।लगभग तेरह महीने के कार्यकाल मे थानाध्यक्ष का जनता से संवाद सरल रहा।इस दौरान राजा बाजपेई , अनुज शुक्ल , सुधीर अवस्थी , आकाश विश्वकर्मा , रामनरेश लोधी ,चमन सिंह ,सुभाष रावत ,नागेंद्र सिंह ,कुलदीप शुक्ला सहित स्टाप मौजूद रहा।

दिल्ली जा रही स्लीपर बस हुई खराब यात्री परेशान

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। दिल्ली जाते समय स्लीपर बस एक्सप्रेसवे पर खराब होने से सवारियों को काफी मुसीबत झेलनी पड़ी जिसके बाद दूसरे साधनों से सवार लोग गंतव्य को रवाना हुए। कहा जा रहा है एक सवारी बस करीब 42 सवारिया लेकर रायबरेली से दिल्ली जा रही थी तभी गुरुवार को मध्यरात्रि बेहटा मुजावर क्षेत्र में आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सारदा नहर पुल के निकट इंजन में कोई गड़बड़ी होने से खराब हो गई काफी प्रयास के बाद वह सही नहीं हो पाई तो सवारियों को किसी तरह दूसरे संसाधनों से गंतव्य के लिए रवाना किया गया तथा खराब बस को सुरक्षित स्थान पर खड़ी कराया गया शुक्रवार दोपहर बाद तक बस सही नहीं हो सकी।इस दौरान काफी देर तक सवारियों को मुसीबत झेलनी पड़ी।

एथेनॉल टैंकर व डंपर में भिड़ंत, सड़क पर बहा एथेनॉल; छह किमी तक लगा जाम

अमन लेखनी समाचार



सुमेरपुर, उन्नाव। बारासगवर थाना क्षेत्र के सुमेरपुर-बक्सर मार्ग पर जगतपुर गांव के समीप शुक्रवार सुबह लगभग 7:00 बजे बालू लदे डंपर और एथेनॉल टैंकर के बीच आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और टैंकर से एथेनॉल सड़क पर बहने लगा। घटना के बाद मार्ग पर अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, एथेनॉल टैंकर सीतापुर से कानपुर स्थित भारत पेट्रोलियम जा रहा था, जिसे हरदोई निवासी चालक मिथिलेश कुमार चला रहा था। वहीं, बालू लदा डंपर बांदा से माल लादकर बाराबंकी जा रहा था, जिसे बाराबंकी निवासी चालक दीपक चला रहा था। हादसे में डंपर का डीजल व यूरिया टैंक फट गया और एथनॉल टैंकर से एथेनॉल रिसकर डीजल के साथ सड़क पर बहने लगा, जिससे संभावित खतरे को लेकर लोग सहम गए। चालक मिथिलेश कुमार के मुताबिक सामने से आ रहे वाहन व संकरे मार्ग के बीच अचानक जानवर आने से बचाने के प्रयास में यह टक्कर हुई। गनीमत रही कि दोनों चालकों को कोई गंभीर चोट नहीं आई और एथनॉल टैंकर चालक के पैरों में चोट के साथ वे सुरक्षित बच गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को बाहर निकालकर सीएचसी ऊंचगांव पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया गया।

सूचना मिलते ही बारासगवर थाना प्रभारी धर्मेंद्र नाथ मिश्रा, आबकारी निरीक्षक प्रतिभा सिंह और दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। किसी अनहोनी को रोकने के लिए दमकल कर्मियों ने फोम कंपाउंड व पानी मिलाकर बहे एथेनॉल पर छिड़काव किया।

दुर्घटना के बाद एथनॉल टैंकर के पिछले ब्रेक जाम हो जाने से उसे हटाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दोपहर करीब एक बजे हाइड्रा की मदद से क्षतिग्रस्त एथेनॉल टैंकर को सड़क किनारे कराया गया। इस दौरान मार्ग के दोनों ओर करीब छह किलोमीटर तक भीषण जाम लगा रहा, जिसमें एक ओर ऊंचगांव और दूसरी ओर तनगापुर तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं।

थाना प्रभारी धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया कि दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को मार्ग से हटाकर किनारे कर दिया गया है और यातायात पुनः सुचारू रूप से बहाल करा दिया गया है।

पराली न जलाने को लेकर चला जागरूकता अभियान, डीएम ने पांच प्रचार वाहनों को दिखाई हरी झंडी

अमन लेखनी समाचार



उन्नाव। पराली जलाने से होने वाले नुकसान के प्रति किसानों को जागरूक करने के लिए जिला प्रशासन ने अभियान शुरू किया है। शुक्रवार दोपहर जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने पांच प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वाहन गांव-गांव जाकर किसानों से पराली न जलाने की अपील करेंगे और इसके उचित प्रबंधन के तरीके बताएंगे।

पराली जलाने से हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे प्रदूषक कण फैलते हैं। इसके साथ कार्बन मोनोऑक्साइड समेत कई हानिकारक गैसें भी वातावरण में पहुंचती हैं। सांस के जरिए ये कण फेफड़ों तक पहुंच सकते हैं। इससे आंखों में जलन, खांसी, गले में खराश और सांस लेने में परेशानी हो सकती है। अस्थमा के मरीजों, बुजुर्गों और बच्चों को इसका अधिक खतरा रहता है। लंबे समय तक प्रदूषित हवा के संपर्क में रहने से फेफड़ों और दिल से जुड़ी बीमारियों का जोखिम भी बढ़ सकता है। प्रशासन किसानों को बताएगा कि फसल अवशेष को जलाने के बजाय उपयोगी संसाधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। कृषि यंत्रों की मदद से पराली को खेत में मिलाकर मिट्टी की उर्वरता बढ़ाई जा सकती है। इसके अलावा इसे गौशालाओं तक पहुंचाकर पशुओं के उपयोग में लाया जा सकता है। पराली को सीबीजी (कंप्रेस्ड बायोगैस) प्लांट में भी भेजा जा सकता है। इससे किसानों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर बन सकते हैं। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने बताया कि धान की कटाई के बाद खेतों में बड़ी मात्रा में फसल अवशेष बचते हैं। जानकारी के अभाव में कुछ किसान इन्हें जला देते हैं, जिससे पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचता है। अभियान के तहत किसानों को पराली प्रबंधन के वैज्ञानिक तरीके, कृषि मशीनरी के उपयोग और फसल अवशेषों के वैकल्पिक इस्तेमाल की जानकारी दी जाएगी। पांचों प्रचार वाहन पूरे जनपद में गांव-गांव जाकर किसानों को जागरूक करेंगे। प्रशासन का प्रयास है कि किसान पराली जलाने के बजाय उसका उचित प्रबंधन अपनाएं। इससे पर्यावरण सुरक्षित रखने के साथ किसानों को भी आर्थिक लाभ मिल सकेगा।

पीडीए पंचायत, सपा नेता ने लिया सामाजिक न्याय का संकल्प



अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। असोहा क्षेत्र के मनिकापुर गांव में पीडीए पंचायत का आयोजन किया गया। आयोजन में पहुंचे समाजवादी पार्टी के नेता पवन मिश्र ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पीडीए मतलब सबका उत्थान और सबको साथ लेकर चलना है। उन्होंने कहा कि हम लोग किसान, नौजवानों, युवाओं, महिलाओं, कर्मचारियों, अगड़ा, पिछड़ा सबको साथ लेकर चलेंगे और सभी वर्गों के वादे पूरे करेंगे, यदि हमारी सरकार बनती है। उन्होंने कहा कि हम लोग जाति-धर्म को देखे बिना सबका विकास करेंगे और सामाजिक न्याय का राज लाने का संकल्प लेते हैं। कार्यक्रम के दौरान राजेन्द्र लोधी, सीएल यादव, विवेक शुक्ल, संतोष बाजपेई, विकास, रोहित, रामप्रसाद, निशार खान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

खंड शिक्षा अधिकारी की प्रथम मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न, निपुण आकलन पर विशेष जोर

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। विकासखंड मियागंज के ब्लॉक सभागार में नवागत खंड शिक्षा अधिकारी राजेश राम की प्रथम मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसमें नवागत खंड शिक्षा अधिकारी का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया।बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा विकासखंड के समस्त विद्यालयों में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों एवं विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान विद्यालयों में शिक्षण कार्य की गुणवत्ता, छात्र-छात्राओं की उपस्थिति, शिक्षक एवं शिक्षार्थियों की नियमितता, विद्यालयों में शैक्षिक वातावरण, विभिन्न विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा अन्य शैक्षणिक बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में निपुण भारत मिशन एवं निपुण आकलन को विशेष प्राथमिकता देते हुए खंड शिक्षा अधिकारी राजेश राम ने सभी शिक्षकों एवं संकुल प्रभारियों को निर्देशित किया कि बच्चों के बुनियादी भाषा एवं गणितीय कौशल को मजबूत बनाने के लिए नियमित अभ्यास, प्रभावी शिक्षण रणनीतियों एवं सतत आकलन पर विशेष ध्यान दिया जाए। बच्चों के अधिगम स्तर का समय-समय पर मूल्यांकन करते हुए आवश्यकतानुसार उपचारात्मक शिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। खंड शिक्षा अधिकारी राजेश राम ने कहा कि विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक शिक्षक अपने विद्यालय में सकारात्मक शैक्षिक वातावरण विकसित करते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं निर्धारित शैक्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। बैठक में सभी शैक्षणिक एवं विभागीय कार्यों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी ढंग से पूर्ण करने पर बल दिया गया। साथ ही सभी शिक्षकों से अपेक्षा की गई कि वे आपसी समन्वय, सहयोग एवं जिम्मेदारी के साथ विकासखंड मियागंज को शैक्षिक गुणवत्ता एवं निपुण लक्ष्यों की प्राप्ति में अग्रणी बनाने हेतु सक्रिय भूमिका निभाएं। बैठक में एआरपी दीप नारायण त्रिपाठी, अभिषेक शुक्ल के साथ साथ सभी प्रधान शिक्षक उपस्थित रहे। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई।

यूपीडा कर्मियों की गाड़ी में पीछे से लोडर ने मारी टक्कर चार घायल

अमन लेखनी समाचार

औरास, उन्नाव। आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार सुबह लगभग 4 बजे थाना क्षेत्र बेहटा मुजावर किलोमीटर संख्या 253 पर गस्त कर रहे यूपीडा कर्मियों की चार पहिया वाहन में पीछे से आ रहा टमाटर लदा लोडर ने टक्कर मार दी। हादसे में तीन यूपीडा कर्मी व पिकअप डाला चालक घायल हो गया। घायलों को सीएचसी औरास में भर्ती कराया गया। जिसमें पिकअप चालक को गंभीर चोट आने पर ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया।

हरदोई जनपद के थाना क्षेत्र सांडी निवासी हेमनाथ पुत्र निरंजन, मल्लावां निवासी महेश सिंह पुत्र नंदलाल व औरास थाना क्षेत्र के दिपवल निवासी सज्जाद अली यूपीडा कर्मी चार पहिया वाहन से आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर गस्त कर रहे थे। शुक्रवार भोर पहर लगभग चार बजे बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के किलोमीटर संख्या 253 पर आगरा साइड से लखनऊ जा रहा टमाटर लदा पिकअप डाला ने पीछे से यूपीडा कर्मी के चार पहिया वाहन में टक्कर मार दी। हादसे में कार में सवार तीनो यूपीडा कर्मचारी घायल हो गए ।वही लखनऊ के थाना मढियावा के सैदपुर निवासी पिकअप चालक तेजपाल भी घायल हो गया । घायलों को यूपीडा कर्मचारियों ने एम्बुलेंश से सीएचसी औरास में भर्ती कराया जहाँ पिकअप डाला चालक तेजपाल को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया

ग्राम रोजगार सेवकों का डीएम कार्यालय पर धरना, मानदेय बढ़ाने समेत चार मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार



उन्नाव। ग्राम रोजगार सेवकों ने शुक्रवार दोपहर एक बजे डीएम कार्यालय परिसर में धरना दिया। ग्राम रोजगार सेवक संघर्ष मोर्चा उत्तर प्रदेश के बैनर तले जुटे कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। उन्होंने मानदेय बढ़ाने और एचआर पॉलिसी लागू करने समेत चार मांगें रखीं। मांगें पूरी नहीं होने पर 3 दिसंबर को विधानसभा घेरने की चेतावनी दी।

धरने में शामिल ब्लॉक निहागंज के ग्राम रोजगार सेवक ओम प्रकाश ने कहा कि मुख्यमंत्री ने पहले रोजगार सेवकों के हित में कई घोषणाएं की थीं, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर उन्हें लागू नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में ग्राम रोजगार सेवकों को दूसरे राज्यों के मुकाबले कम मानदेय मिलता है। ओम प्रकाश ने हिमाचल प्रदेश में रोजगार सेवकों को 49,750 रुपये तक मानदेय मिलने का उदाहरण दिया।

उन्होंने उत्तर प्रदेश में न्यूनतम मानदेय 24 हजार रुपये प्रतिमाह करने की मांग की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि रोजगार सेवकों को समय पर मानदेय नहीं मिलता। कम आय के कारण परिवार चलाने में मुश्किल होती है और कई कर्मचारी कर्ज में हैं। उन्होंने ईपीएफ के तौर पर काटी गई रकम कर्मचारियों के खातों में तुरंत भेजने और मुख्यमंत्री की ओर से घोषित एचआर पॉलिसी लागू करने की मांग की।ज्ञापन में मांग की गई कि ग्राम रोजगार सेवकों का न्यूनतम मानदेय 24 हजार रुपये प्रतिमाह तय कर अलग बजट से भुगतान किया जाए, कर्मचारियों और उनके परिजनों को कैशलेस इलाज की सुविधा मिले, एचआर पॉलिसी लागू हो और ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम्य विकास के सभी काम जॉब चार्ट में शामिल कर पदनाम ग्राम विकास सहायक किया जाए।

ज्ञापन के मुताबिक, ग्राम रोजगार सेवक करीब 20 साल से ग्राम पंचायतों में सेवाएं दे रहे हैं। वे मनरेगा के तहत श्रमिकों को रोजगार देने के साथ शासन की ओर से समय-समय पर सौंपे गए दूसरे काम भी करते हैं। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि मांगों का समाधान नहीं हुआ तो तीन दिसंबर को प्रदेशभर के ग्राम रोजगार सेवक विधानसभा का घेराव करेंगे। इस दौरान जिला महामंत्री अजीत कुमार, जिला संयोजक हरिकरन यादव सहित अन्य रोजगार सेवक मौजूद रहे।

जनगणना को जनआंदोलन बनाने में जुटे प्रगणक महिलाओं की टोली उतरी गांव की गलियों में

अमन लेखनी समाचार



सफीपुर, उन्नाव। विकास खंड क्षेत्र के रनियामऊ अमित तिवारी की अभिनव पहल से घर-घर पहुंचा स्वगणना का संदेश, गृहणियों को डिजिटल माध्यम से परिवार का विवरण दर्ज करने के लिए किया जागरूक सरकारी अभियान को जनभागीदारी का स्वरूप देने की इच्छाशक्ति हो तो एक व्यक्ति की पहल भी पूरे गांव में बदलाव की अलख जगा सकती है। जनगणना 2027 के अंतर्गत संचालित स्वगणना अभियान में रनियामऊ के प्रगणक अमित तिवारी ने कुछऐसी ही मिसाल पेश की है। उन्होंने स्वगणना को केवल सरकारी जिम्मेदारी न मानकर जनजागरूकता का अभियान बनाया और गांव की महिलाओं को साथ लेकर घर-घर तक जागरूकता की मुहिम पहुंचा दी। अमित तिवारी की पहल पर ग्रामीण महिलाओं ने गांव की गलियों में उतरकर विशेष रूप से गृहणियों को जागरूक किया। महिलाओं ने परिवार की मुखिया एवं घर-गृहस्थी की जिम्मेदारी संभालने वाली महिलाओं से अपील की कि वे अपने परिवार का पूरा और सही विवरण स्वयं ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज करें। इस पहल के पीछे अमित तिवारी का उद्देश्य स्पष्ट है कि स्वगणना की जानकारी हर घर तक पहुंचे और कोई भी परिवार जानकारी के अभाव में पीछे न रह जाए। प्रगणक अमित तिवारी द्वारा संचालित 'स्वगणना से जनगणना की ओर' कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें महिलाओं को केवल अभियान का हिस्सा नहीं, बल्कि जागरूकता का वाहक बनाया गया है। अमित तिवारी ने सामुदायिक सहभागिता को प्राथमिकता देते हुए ग्रामीण महिलाओं को आगे आने के लिए प्रेरित किया। इसका असर गांव में दिखाई देने लगा है और महिलाएं स्वयं दूसरी महिलाओं को स्वगणना के लिए प्रेरित कर रही हैं। अमित तिवारी ग्रामीणों को यह संदेश दे रहे हैं कि जनगणना के आंकड़े महज संख्या नहीं, बल्कि देश के विकास की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण आधार हैं। सटीक आंकड़ों से सरकार को जनकल्याणकारी योजनाओं के निर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के लिए संसाधनों का बेहतर नियोजन करने में मदद मिलती है। अमित तिवारी की इस पहल को ग्रामीणों का भरपूर समर्थन और सराहना मिल रही है। अभियान ने यह साबित किया है कि प्रशासनिक दायित्व के साथ सामाजिक सहभागिता जुड़ जाए तो राष्ट्रीय महत्व के कार्यक्रमों को जनआंदोलन का रूप दिया जा सकता है। रनियामऊ में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी इसी सकारात्मक बदलाव की तस्वीर पेश कर रही है। इस दौरान किरण देवी, राधा देवी, सरोजनी देवी, अमित तिवारी, देवेंद्र त्रिपाठी, रामा देवी, सुदेवी, संतोषी देवी, कलावती, आरती, श्रीकांती, संगीता, गुड़िया, रीना देवी सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

नवागत खंड शिक्षा अधिकारी का बीआरसी केंद्र पर हुआ भव्य स्वागत

अमन लेखनी समाचार



उन्नाव। ब्लाक संसाधन केंद्र असोहा में नवागत खंड शिक्षा अधिकारी रमन सिंह के आगमन पर एआरपी टीम, शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी, शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक एवं बीआरसी के कर्मचारियों द्वारा पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर एआरपी टीम, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, उच्च प्राथमिक शिक्षक संघ, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, शिक्षामित्र संघ, अनुदेशक संघ के पदाधिकारियों एवं बीआरसी के कर्मचारियों ने नवागत खंड शिक्षा अधिकारी का गर्मजोशी से भव्य स्वागत करते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। उपस्थिति सभी ने आशा व्यक्त की कि उनके कुशल नेतृत्व, मार्गदर्शन एवं सहयोग से ब्लॉक में शैक्षिक गुणवत्ता, विद्यालयों की व्यवस्थाओं तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को नई दिशा एवं गति प्राप्त होगी। नवागत खंड शिक्षा अधिकारी रमन सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए शिक्षा विभाग की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने, विद्यालयों में बेहतर शैक्षिक वातावरण विकसित करने तथा शिक्षक-कर्मचारियों के सहयोग से शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाने हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।नवागत खंड शिक्षा अधिकारी ने ब्लॉक के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं को संदेश देते हुए कहा कि विद्यालय शिक्षा की आधारशिला हैं तथा शिक्षक राष्ट्र निर्माण के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। विद्यालयों में बेहतर शैक्षिक वातावरण, नियमित शिक्षण कार्य, अनुशासन, स्वच्छता, विद्यार्थियों की उपस्थिति, बच्चों के प्रति संवेदनशील व्यवहार, अभिभावकों से निरंतर संवाद एवं शैक्षिक गतिविधियों में नवाचार को प्रोत्साहित किया जाना हम सब की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर एआरपी प्रवीण कुमार, संतोष श्रीवास्तव, मनोज पटेल, अन्नपूर्णा दीक्षित सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी अरविंद शुक्ला, रणंजय सिंह, मुकेश शुक्ला, रामकरन मौर्य, उमेश गुप्ता, उपेंद्र शुक्ला, बीरेंद्र मिश्रा, सचिन मिश्रा, अजीत सिंह, भूपेन्द्र सिंह, अरुण कुमार, सुरेश चौधरी, विपुल पटेल, रामबाबू , संजय यादव, वी पी सिंह, अमित मिश्रा, अनिल पाल, सुरेश कुमार, उत्कर्ष सिंह, प्रदीप कुमार, श्याम नारायण शुक्ला आदि पदाधिकारी शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय राज्य स्तरीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप का हुआ भव्य आयोजन

अमन लेखनी समाचार

पुरवा-उन्नाव। जनपद उन्नाव के गदनखेड़ा स्थित सद्भावना मंडपम में 27, 28 एवं 29 नवंबर 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का आयोजन निवर्तमान जिलाध्यक्ष भाजयुमो व नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण मिश्रा भानु, उत्तर प्रदेश सचिव राहुल शुक्ला एवं उन्नाव पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के सचिव राहुल तिवारी के द्वारा किया गया।तीन दिवसीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और अपनी शक्ति, तकनीक एवं खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के सफल संचालन एवं निष्पक्ष निर्णय प्रक्रिया के लिए जूरी सदस्यों के रूप में कौस्तुभ दत्ता, मनीष मिश्रा, राजेश दीक्षित, अनिल कुशवाहा, जीशान अहमद, नीरज, सुधांशु आर्य, विजय, शिवम एवं राम जनम सिंह की महत्वपूर्ण उपस्थिति रही।एसोसिएशन के मीडिया को ऑर्डिनेटर विपिन कुमार एवं कार्यकारिणी सदस्य दुर्गेश शुक्ला सहित अन्य पदाधिकारियों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले सभी खिलाड़ियों का वजन मापन (वेट-इन) संपन्न हो चुका है, जबकि प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए आ रहे अन्य खिलाड़ियों का वजन मापन लगातार जारी है। सभी खिलाड़ियों के विजेताओं का निर्णय उनकी निर्धारित भार श्रेणी (वेट कैटेगरी) एवं प्रतियोगिता में उनके भारोत्तोलन प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा, जिससे प्रत्येक खिलाड़ी को निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का अवसर मिल सके।आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से उन्नाव सहित प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने और खेल जगत में नई पहचान बनाने का अवसर मिलेगा।

नाला निर्माण को लेकर विवाद ग्राम प्रधान ने दर्ज कराया मुकदमा

अमन लेखनी समाचार



उन्नाव। अचलगंज एक पखवाड़े से सुपासी गांव में नाला निर्माण को लेकर चल रहा विवाद दिनों दिन तूल पकड़ता जा रहा है। गुरुवार देर शाम महिला ग्राम प्रधान कि तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही एक व्यक्ति पर मारपीट मोटरवाहन अधिनियम व दलित उत्पीड़न का केस दर्ज किया है।

अचलगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सुपासी में कच्चा नाला निर्माण को लेकर एक पखवाड़े से विवाद चल रहा है गांव के कुछ लोग भूमिधरी जमीन पर पुलिस के सहयोग पर जबरन नाला खोदे जाने का आरोप ग्राम प्रधान पर लगा रहे है मामला थाने से लेकर कप्तान की चौखट तक पहुंचने के बावजूद समस्या का कोई समाधान नहीं निकल सका है।बल्कि नाला निर्माण का विरोध करने वालों पर पुलिसिया कार्यवाही चालू हो गई है गुरुवार की शाम महिला ग्राम प्रधान जयश्री देवी ने थाने में गांव के ही सोनू यादव के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि बीते 25 नवंबर को उनके घर के समीप तिराहे पर आकर उन्हें जातिसूचक गाली गलौज करते हुए बाइक से धक्का दिया गया जिसमें उनके पैर वा हाथ मे चोट आई है।साथ ही महिला प्रधान का आरोप है कि इसके पूर्व सोनू यादव ने बदरका चौकी इंचार्ज को लेकर सोशल मीडिया में आपत्ति जनक टिप्पणी वायरल की थी। अनुसूचित वर्ग की महिला ग्राम प्रधान की तहरीर पर पुलिस ने सोनू यादव के विरुद्ध गाली गलौज, मारपीट, वाहन से टक्कर मारने के साथ दलित उत्पीड़न का अभियोग दर्ज किया गया है। एसएसआई धीरेन्द्र यादव ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

सम्पादकीय

विश्व व्यवस्था को अस्थिर करने से बाज नहीं आ रहा अमेरिका

टैरिफ को हथियार बनाकर दुनिया को अस्थिर करने वाला अमेरिका अब भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीति ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार के स्थापित नियमों, मुक्त प्रतिस्पर्धा और बहुपक्षीय सहयोग की भावना के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। अमेरिका अपने आर्थिक हितों के नाम पर दूसरे देशों पर शुल्क बढ़ाने और अपनी शर्तों पर व्यापार समझौते करने का दबाव बना रहा है। भारत समेत 14 अर्थव्यवस्थाओं के खिलाफ अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) की ताजा कार्रवाई इसी रणनीति का विस्तार दिखाई देती है। चिंता यह है कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल अमेरिका स्वयं वैश्विक व्यापार व्यवस्था को अस्थिर करने वाली नीतियों पर आगे बढ़ रहा है। अमेरिका ने ट्रेड एक्ट 1974 की धारा 301 के तहत 11 मार्च 2026 को 16 देशों और आर्थिक क्षेत्रों की विनिर्माण क्षमता तथा श्रम मानकों को लेकर जांच शुरू की थी। 25 नवंबर को इसके आधार पर 14 अर्थव्यवस्थाओं के लिए नई टैरिफ दरों का प्रस्ताव सामने आया। भारत पर बिना व्यापार समझौते के 25 प्रतिशत और समझौता होने पर 17 प्रतिशत शुल्क लगाने की बात कही गई है। दक्षिण कोरिया, जापान और यूरोपीय संघ के लिए समझौते की स्थिति में 15 प्रतिशत शुल्क प्रस्तावित है, जबकि मलेशिया, इंडोनेशिया और थाईलैंड के लिए यह दर 19 प्रतिशत है। पाकिस्तान पर 10 प्रतिशत शुल्क का प्रावधान इस पूरी व्यवस्था के अलग-अलग देशों के प्रति अलग नजरिये को भी सामने लाता है। भारत ने अपने यहां जरूरत से ज्यादा उत्पादन क्षमता होने के अमेरिकी आरोपों को खारिज कर दिया है। मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं पर अमेरिका की आपत्ति भी सवालों के घेरे में है। यदि अमेरिका अपने उद्योगों को संरक्षण देने के लिए नीतियां बना सकता है तो भारत को घरेलू विनिर्माण मजबूत करने का अधिकार क्यों नहीं होना चाहिए? भारत ने स्पष्ट किया है कि व्यापारिक विवादों का समाधान दबाव और टैरिफ के बजाय द्विपक्षीय बातचीत से होना चाहिए। यह रुख उचित है, क्योंकि व्यापार समझौते पारस्परिक लाभ और सम्मान के आधार पर होने चाहिए, न कि किसी एक देश की शर्तों पर। वित्त वर्ष 2026-27 में अब तक अमेरिका को भारत का मासिक निर्यात औसतन 8.4 अरब डॉलर रहा है। इस रफ्तार से सालाना निर्यात 100.8 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है, जो वित्त वर्ष 2025-26 के 87.31 अरब डॉलर से करीब 15.4 प्रतिशत अधिक होगा। एमके ग्लोबल ने चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों में भारत के वस्तु निर्यात में 22 प्रतिशत वृद्धि दर्ज होने और कुल निर्यात में 15 प्रतिशत से अधिक वृद्धि की संभावना जताई है। सबसे बड़ी चुनौती अमेरिकी कृषि बाजार संबंधी मांगों और घरेलू किसानों के हितों के बीच संतुलन बनाने की है। भारत को केवल टैरिफ में राहत पाने के लिए कृषि, डेयरी और संवेदनशील क्षेत्रों में एकतरफा रियायतें देने से बचना होगा। साथ ही अमेरिकी आरोपों का जवाब ठोस आंकड़ों और नियमसम्मत तर्कों से देना चाहिए। वैश्विक व्यापार व्यवस्था की स्थिरता किसी एक देश के दबदबे से नहीं, बल्कि समान नियमों और परस्पर सम्मान से कायम रह सकती है। भारत के लिए भी यह समय केवल अमेरिकी बाजार में हिस्सेदारी बचाने का नहीं, बल्कि निर्यात के नए केंद्र विकसित करने, घरेलू उत्पादन क्षमता बढ़ाने और आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करने का है। व्यापार समझौता जरूर हो, लेकिन राष्ट्रीय हितों की कीमत पर नहीं।



जलवायु सम्मेलन

ज्ञानेन्द्र रावत

जीवाश्म ईंधन उत्सर्जन रहा है बड़ा विवाद

दुनियाभर में तेजी से बढ़ते कार्बन उत्सर्जन और ग्लोबल वार्मिंग के गंभीर होते खतरे से निपटने के लिए बीते दो सप्ताह तुर्किए के अंताल्या में जलवायु परिवर्तन पर मंथन के लिए चला दुनिया के लगभग 200 देशों का सम्मेलन काप-31 ऐतिहासिक विफलता के साथ समाप्त हो गया। गौरतलब है कि ऐसे सम्मेलनों में दुनियाभर के अधिकांश देश तापमान वृद्धि रोकने, कार्बन उत्सर्जन घटाने और जलवायु संकट से प्रभावित देशों की मदद के लिए रणनीतियां बनाने हेतु जुटते हैं। इनमें कई बार तो समझौते हो जाते हैं लेकिन कई बार ऐसी भी नौबत आती है जबकि उन समझौतों पर अमल के सवाल पर दुनिया के देशों के बीच खींचतानी बनी ही रहती है। इस बार जो हुआ, वैसा आज तक ऐसे सम्मेलनों में दिखाई नहीं दिया।

हुआ यह कि इस बार तुर्किए के इस जलवायु सम्मेलन में दुनिया के देश किसी समझौते पर ही पहुंचने में नाकाम रहे। इसका सबसे बड़ा कारण जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को खत्म करने और जलवायु संकट से निपटने की आर्थिक जिम्मेदारी उठाने को लेकर विकसित व विकासशील देशों के बीच गहरे मतभेदों का लगातार आपस में बना रहना रहा। इसमें खासकर यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, जर्मनी, नार्वे, पनामा सहित कई देशों द्वारा अंताल्या जलवायु समझौते को खारिज कर देना रहा। इन देशों का आरोप था कि इस मसौदे में जलवायु परिवर्तन के मुख्य कारण जीवाश्म ईंधन यानी कोयला, गैस और तेल का कोई जिक्र ही नहीं था। एक और बड़ी बात यह रही कि चीन के बाद दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा प्रदूषण फैलाने वाला देश अमेरिका एक बार फिर इस जलवायु सम्मेलन से नदारद रहा या यूं कहें कि उसने इसमें जानबूझकर हिस्सा ही नहीं लिया।

> इस बार तुर्किए के इस जलवायु सम्मेलन में दुनिया के देश किसी समझौते पर ही पहुंचने में नाकाम रहे। इसका सबसे बड़ा कारण जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को खत्म करने और जलवायु संकट से निपटने की आर्थिक जिम्मेदारी उठाने को लेकर विकसित व विकासशील देशों के बीच गहरे मतभेदों का लगातार आपस में बना रहना रहा। इसमें खासकर यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, जर्मनी, नार्वे, पनामा सहित कई देशों द्वारा अंताल्या जलवायु समझौते को खारिज कर देना रहा। एक और बड़ी बात यह रही कि चीन के बाद दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा प्रदूषण फैलाने वाला देश अमेरिका एक बार फिर इस जलवायु सम्मेलन से नदारद रहा या यूं कहें कि उसने इसमें जानबूझकर हिस्सा ही नहीं लिया।

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी जलवायु वार्ताओं से अमेरिका को बाहर कर लिया था। वहां यह जान लेना जरूरी है कि सम्मेलन की शुरुआत से पहले संयुक्त राष्ट्र के जलवायु प्रमुख साइमन स्टिएल ने कहा था कि बहुत से लोगों के लिए जलवायु परिवर्तन जानलेवा साबित हो रहा है। जलवायु संकट अब महामारी जितने बड़े स्तर का वैश्विक स्वास्थ्य संकट बन चुका है। साइमन स्टिएल ने दुनिया के देशों से आह्वान किया था कि वे काप-31 का उपयोग व्यावहारिक समाधानों में तेजी लाने के लिए करें और मौजूदा समय की गंभीरता को देखते हुए इस बाबत सामूहिक कार्रवाई किये जाने की हरसंभव कोशिश करें। इसका एक कारण यह भी रहा कि पिछले एक साल में जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान बढ़ा है और यूरोप समेत दुनिया के बहुतेरे हिस्सों में जानलेवा गर्मी पड़ी है। नेपाल में आई भीषण बाढ़ जैसी आपदाओं में भी जलवायु परिवर्तन की अहम भूमिका रही है। यही नहीं तुर्किए के पर्यावरण मंत्री मुरात कुरुम ने आशा व्यक्त करते हुए कहा भी था कि इस सम्मेलन में नये लक्ष्य तय करने के बजाय पहले से किये गये जलवायु संबंधी वादों को जमीन पर उतारने का प्रयास किया जाएगा। उनका यह दृढ़ विश्वास था कि सम्मेलन में प्रतिनिधियों पर जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए नये वायदे करने और इससे पहले किए गए वादों को पूरा करने का दबाव रहेगा। सम्मेलन की विफलता के कई कारण रहे उनमें सबसे अहम कारण तो जीवाश्म ईंधन से निपटने के



बाबत कोई स्पष्ट रोडमैप का न होना रहा जिसका खासकर यूरोपीय संघ, पनामा आदि कई देशों ने आरोप लगाया। पनामा का तो यहां तक कहना था कि यह मसौदा जलवायु संकट की गंभीरता के अनुरूप ही नहीं है। आयरलैंड के पर्यावरण मंत्री डारा ओ'ब्रायन ने इस सवाल पर कहा कि यूरोपीय संघ इस मसौदे का किसी कीमत पर समर्थन नहीं कर सकता क्योंकि इसमें जीवाश्म ईंधन का तो कोई उल्लेख ही नहीं है। फिर रूस और सऊदी अरब समेत तेल उत्पादक देशों का कार्बन सोखने और भंडारण करने वाली तकनीक को बढ़ावा देने के पक्ष में रहना रहा। यह भी विवाद की एक बड़ी वजह रही। मसौदे में इस तकनीक के तहत एक अरब मीट्रिक टन कार्बन रोकने, उसे दोबारा इस्तेमाल करने और भंडारण करने का लक्ष्य था, क्योंकि तेल उत्पादक देशों की नजर में यह जलवायु संकट से निपटने का सबसे बड़ा और कारगर उपाय है। जबकि इसके आलोचक देशों का मानना था कि इससे जीवाश्म ईंधन के उत्पादन जारी रखने का रास्ता खुलेगा। जहां तक अफ्रीकी देशों का सवाल है, वे तो अनुकूलन के लिए आर्थिक मदद और जलवायु वित्त में कमी को लेकर खास नाराज थे। हां, जलवायु परिवर्तन से सबसे ज्यादा प्रभावित विकासशील देशों का इस बात पर बल रहा कि विकसित देश यानी अमीर देश उनको आपदाओं से निपटने और बदलती जलवायु के अनुकूल ढालने हेतु पर्याप्त आर्थिक सहायता दें। विकासशील देश तो सम्मेलन में यह जानना चाहते थे कि उन्हें जलवायु संकट से निपटने हेतु पैसा कौन देगा, कितना देगा और किन शर्तों पर दिया जाएगा। उनका इस बात पर बल था कि बिलेाव मदद के पुराने वादे पर आज भी अमीर देश चुप क्यों है? आज तक इस सवाल पर कोई प्रगति नहीं हुई है। लेकिन मसौदे में अनुच्छेद 9.1 का स्पष्ट उल्लेख और अनुकूलन के लिए वित्त जुटाने का रोडमैप दिया जाना राहत की बात जरूर है। भले उसमें किसी राशि का उल्लेख नहीं है, लेकिन यह जरूर स्पष्ट किया गया है कि अनुकूलन हेतु वित्त को तीन गुणा करने का आधार क्या होगा, वह भी नवम्बर 2027 तक तय नहीं होगा।

यह सही है कि आखिर दो सप्ताह से अधिक समय तक जलवायु मुद्दे पर चली बातचीत के बाद सम्मेलन के लक्ष्य का तय न हो पाना बेहद चिंता का विषय है। साथ ही तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री तक रखने का लक्ष्य का भी हाथ से निकल जाना भी बेहद दुखदायी और चिंता का सबब है। इस सबके बावजूद यह संतोष की बात है कि वहां पर समग्र नतीजों पर समझौते में समस्याओं को पहचाना तो गया है, लेकिन इसमें दो राय नहीं और यह कड़वी सच्चाई है कि समस्याओं के समाधान के लिए सम्मेलन में जरूरी वित्तीय मदद, जवाबदेही और मुद्दों के अमल हेतु प्रतिबद्धताओं की कमी की भारी कमी रही है। हां, इसमें इतना जरूर रहा है कि जलवायु कार्यवाही में किसी बड़े बदलाव की सहमति की संभावना तो कहीं दिखाई नहीं दी जो राजनीतिक इच्छाशक्ति और जवाबदेही की कमी दर्शाती है। हां, यह स्थिति भारत के लिए समानता और भरोसे से जुड़े गंभीर और अहम सवाल जरूर खड़े करती है। यह बात दीगर है कि पेरिस कॉप में भारत के प्रमुख वार्ताकार और इंटरनेशनल सोलर एलाइंस के पूर्व महानिदेशक डॉ. अजय माथुर की मानें तो यह मसौदा ऊर्जा के मामले में सही दिशा की ओर इशारा करता है। इस बारे में क्लाइमेट ट्रेंड्स की निदेशक आरती खोसला का मानना है कि भले यह सम्मेलन नाकाम रहा, लेकिन इसके नतीजे से जलवायु व्यवस्था में पहले से मौजूद असमानता और मजबूत होती है। इसमें ऐसी व्यवस्था जरूर दिखाई दी है जिसमें इस अहम मसले पर फिलहाल बातचीत को आगे बढ़ाने की गुंजाइश रखी गई है। यह अच्छा संकेत है।

हर युग में प्रासंगिक 'महादेव'



संकलित

दर्शन

कुछ दिन पहले किसी ने मुझसे पूछा कि क्या मैं आदियोगी शिव का प्रशंसक हूं। प्रशंसक होने का अर्थ है कि उसकी भावनाओं से जुड़ जाना। मेरे साथ ऐसा नहीं है। मैं शिव को महत्वपूर्ण इसलिए मानता हूं, क्योंकि उनका योगदान काल के परे है। इसलिए वे सदा प्रासंगिक हैं। किसी भी पीढ़ी में किसी इंसान की प्रशस्ति उस योगदान के लिए की जाती है, जो उसने उस पीढ़ी या आने वाली पीढ़ियों के लिए किया है। इस धरती पर कई ऐसे लोग आए हैं, जिन्होंने दूसरों के जीवन में योगदान किया है। जो उस समय की जरूरत के अनुसार था, वह उसे लेकर आया। गौतम बुद्ध के समय समाज कर्मकांडों में लिपटा हुआ था। जब उन्होंने बिना किसी कर्मकांड के आध्यात्मिक प्रक्रिया शुरू की तो वह लोकप्रिय हो गए। अगर समाज में कर्मकांड नहीं होते, तो वह इतने महत्वपूर्ण नहीं होते। कृष्ण बहुत महत्वपूर्ण थे, लेकिन फिर भी, यदि पांडवों और कौरवों के बीच युद्ध नहीं होता, तो वह सिर्फ अपने आसपास की जगहों पर प्रभावशाली होते। आदियोगी या शिव का महत्व यही है कि उनके साथ ऐसी कोई घटना नहीं हुई। कोई युद्ध नहीं हुआ, कोई टकराव नहीं हुआ। उन्होंने मानव चेतना को इस प्रकार से विकसित करने के साधन और तरीके दिए कि वे हर युग में प्रासंगिक रहें। हमने उन्हें महादेव की उपाधि दी, क्योंकि उनके योगदान के पीछे की बुद्धि, दृष्टि और ज्ञान अद्भुत है।

क्या भगवान का अस्तित्व है?



संकलित

प्रेरणा

एक बार एक व्यक्ति नाई की दुकान पर अपने बाल कटवाने गया। तभी नाई ने कहा- मैं भगवान के अस्तित्व को नहीं मानता और इसीलिए तुम मुझे नास्तिक भी कह सकते हो। तुम ऐसा क्यों कह रहे हो व्यक्ति ने पूछा। नाई ने कहा- बाहर जब तुम सड़क पर जाओगे तो तुम समझ जाओगे कि भगवान का अस्तित्व नहीं है। अगर भगवान होते, तो क्या इतने सारे लोग भूखे मरते? क्या इतने सारे लोग बीमार होते? व्यक्ति ने थोड़ा सोचा लेकिन वह वाद-विवाद नहीं करना चाहता था। नाई ने अपना काम खत्म किया और वह व्यक्ति नाई को पैसे देकर दुकान से बाहर आ गया। वह जैसे ही नाई की दुकान से निकला, उसने सड़क पर एक लम्बे-घने बालों वाले एक व्यक्ति को देखा जिसकी दाढ़ी भी बढ़ी हुई थी और ऐसा लगता था शायद उसने कई महीनों तक अपने बाल नहीं कटवाए थे। वह व्यक्ति वापस मुड़कर नाई की दुकान में दुबारा घुसा और उसने नाई से कहा- क्या तुम्हें पता है? नाइयों का अस्तित्व नहीं होता। नाई ने कहा- तुम कैसी बेकार बातें कर रहे हो? क्या तुम्हें मैं दिखाई नहीं दे रहा? मैं यहां हूं और मैं एक नाई हूं। और मैंने अभी अभी तुम्हारे बाल काटे हैं। व्यक्ति ने कहा- नहीं! नाई नहीं होते हैं। अगर होते तो क्या बाहर उस व्यक्ति के जैसे कोई भी लंबे बाल व बढ़ी हुई दाढ़ी वाला होता? नाई ने कहा- अगर वह व्यक्ति किसी नाई के पास बाल कटवाने जाएगा ही नहीं तो नाई कैसे उसके बाल काटेगा?

बाल विवाह मुक्त दिवस

ओ.पी. पाल



बचपन बचाने का वैश्विक संकल्प अब हर बेटी का बचेगा बचपन

भारत में अब बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा के खिलाफ भारत में शुरू हुई मुहिम अब वैश्विक अभियान का हिस्सा बन गई है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 'बाल विवाह, कम उम्र और जबरन विवाह के उन्मूलन के लिए 27 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय दिवस' घोषित करने के बाद दुनियाभर में 'अंतरराष्ट्रीय बाल विवाह मुक्त दिवस' मनाया जा रहा है, जो बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता, राजनीतिक इच्छाशक्ति और ठोस कार्रवाई का प्रतीक बनेगा। एक ओर यह 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान की दूसरी वर्षगांठ है, तो दूसरी ओर यह विश्व का पहला 'अंतरराष्ट्रीय बाल विवाह मुक्त दिवस' है। इस ऐतिहासिक अवसर को यादगार और प्रभावशाली बनाने के लिए भारत सहित दुनियाभर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मसलन, अब 27 नवंबर को हर साल 'अंतरराष्ट्रीय बाल विवाह मुक्त दिवस' मनाया जाएगा। भारत ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति, सशक्त कानून और सामुदायिक चेतना एक साथ मिल जाएं, तो सदियों पुरानी कुरीतियों को भी परास्त किया जा सकता है। दुनियाभर खासतौर से भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में सदियों से चली आ रही बाल विवाह की कुप्रथा ने न केवल लाखों बेटियों और बेटों का बचपन छीना है, बल्कि उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, समानता और आत्मनिर्भरता के बुनियादी मानवाधिकारों से भी वंचित रखा है। भारत ने इस सामाजिक अभिशाप को जड़ से समाप्त करने के लिए जो इच्छाशक्ति, कानूनी सख्ती और सामुदायिक भागीदारी दिखाई, उसने पूरी दुनिया को एक नया रास्ता दिखाया है। आज जब विश्व समुदाय एक साथ खड़ा होकर बाल विवाह के अंत का संकल्प ले रहा है, तो यह भारत के 'बाल विवाह मुक्त विश्व' के विजन की वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है। हालांकि, ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में व्याप्त गरीबी, अशिक्षा और लैंगिक भेदभाव को दूर किए बिना बाल विवाह का पूर्ण उन्मूलन संभव नहीं है। जब हर बेटी को स्कूल जाने का समान अवसर मिलेगा, जब समाज बेटियों को बोझ नहीं बल्कि भविष्य का निर्माता समझेगा, और जब हर नागरिक बाल विवाह के विरुद्ध आवाज उठाने का साहस दिखाएगा, तभी सही मायनों में हम एक 'बाल विवाह मुक्त विश्व' का निर्माण कर सकेंगे। इस वैश्विक उपलब्धि की शुरुआत दो वर्ष पूर्व 27 नवंबर 2024 को हुई थी, जब भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी के मार्गदर्शन में 'बाल विवाह मुक्त भारत' राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ किया था। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य वर्ष 2030 तक देश को पूरी तरह से बाल विवाह के कलंक से मुक्त करना था। सरकारी तंत्र के साथ-साथ नागरिक समाज संगठनों, विशेष रूप से 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन' और इसके संस्थापक भुवन रिभु के नेतृत्व में इस मुहिम ने अभूतपूर्व गति पकड़ी। भारत की इस सफलता से प्रेरित होकर दिसंबर 2024 में 'बाल विवाह मुक्त नेपाल' अभियान की शुरुआत हुई और देखते ही देखते यह मुहिम दुनिया के 99 से अधिक देशों में फैल गई, जिसे 'बाल विवाह मुक्त विश्व' अभियान के रूप में पहचान मिली। भारत सरकार ने वर्ष 2026 के अंत तक बाल विवाह को दर को 15 प्रतिशत से नीचे लाने और 2030 तक इसे पूर्णतः समाप्त करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। बाल विवाह को मात्र एक सामाजिक रीति-रिवाज या परंपरा के रूप में देखना एक बड़ी भूल होगी। वस्तुतः यह बच्चों के मौलिक मानवाधिकारों का सीधा उल्लंघन है। कम उम्र में विवाह के दुष्परिणाम अत्यंत भयावह और पीढ़ियों तक असर डालने वाले होते हैं। कम उम्र में विवाह होने से लड़कियां शारीरिक और मानसिक रूप से परिपक्व हुए बिना ही गर्भधारण कर लेती हैं। इससे मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। कम उम्र की माताओं से जन्मे बच्चे अक्सर कुपोषण, कम वजन और गंभीर बीमारियों का शिकार होते हैं।

अंतर्मन



आज की पाती

गण और तंत्र के बीच बढ़ता फासला

26 जनवरी 1949 को संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को स्वीकृत किया गया था। इसी उपलक्ष्य में 26 जनवरी को भारतीय संविधान दिवस मनाया जाता है। संविधान की मर्यादा का ख्याल रखना अगली पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए जरूरी है। लेकिन ऐसा करेगा कौन? राजनेताओं को कुर्सी का मोह है और अफसरों को अरबपतियों से मुफ्त योजनाओं की सौगात चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता तो न तो देश की राजनीति इतनी बीमार होती, न देश में भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी होतीं। न कोई अरबपति महले इलाके के बहरूप बना सोहाद और न ही कोई दो वक्त की रोटी को तरसता। इस अवसर पर 'आम महान लोगों' देशवासियों को प्रणाम है जिनकी बदौलत आज हम सभी एक लोकतंत्र राज्य में आजादी से रह रहे हैं। कैसे गण और तंत्र के बीच अंतर जरूर खत्म हो रहा है। -राजेश बेलमवार, रायपुर

ट्वीट

'रामायण' की टीम को बधाई



नई दिल्ली में 'रामायण' फिल्म की टीम से मुलाकात की इस अनूठी पहल के लिए बधाई दी। उन्होंने तकनीक के जरिए मानव रक्त के जीवन से जुड़े कर्तव्य, ज्ञान और ईमानदारी के आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया है।
- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

भावपूर्ण श्रद्धांजलि



वीर कभी नहीं मरते; वे राष्ट्र की चेतना में सदैव जीवित रहते हैं। 26/11 के कुछ आतंकी हमलों में शहादत की राह करते हुए अदम्य साहस दिखाकर देने वाले बहादुर सैनिकों, पुलिसकर्मियों और निर्दोष नागरिकों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि।
- पीयूष गोयल, केंद्रीय उद्योग मंत्री

सर्वोच्च बलिदान



26/11 को मुंबई में हुए दुस्साहसी आतंकी हमले में शहीद हुए बहादुर सैनिकों और निर्दोष नागरिकों को मेरी विनम्र श्रद्धांजलि। देश उनके अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को कभी नहीं भूलेगा।
- राहुल गांधी, सांसद, वायनाड

विकसित भारत का संकल्प



इसका संविधान हर नागरिक के अधिकारों, कर्तव्यों और आकांक्षाओं का आधार है। हम संविधान सभा के सभी सदस्यों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। आइए, हम अपने संवैधानिक मूल्यों और सपनों के प्रति प्रतिबद्ध रहते हुए एक विकसित भारत के निर्माण का आगाज करें।

करंट अफेयर

किम ने और परमाणु हथियार बनाने का लिया संकल्प

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने परमाणु सामग्री का उत्पादन करने वाले प्रतिष्ठानों का दौरा किया और अधिक परमाणु हथियार बनाने का आह्वान किया। इससे पहले उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया एशिया यात्रा के दौरान उनसे मुलाकात करने की पेशकश को नजरअंदाज कर दिया था। किम के इस बयान से एक बार फिर संकेत मिलता है कि वह अपने लगातार विकसित हो रहे परमाणु कार्यक्रम को छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं।



ऑफ बीट

महासागर पहले कभी हरे रंग के हुआ करते थे

महासागर धरती के करीब तीन चौथाई हिस्से पर फैले हैं जिससे यह ग्रह आकाश से हल्के नीले रंग का दिखता है। लेकिन 'नेचर पत्रिका' में प्रकाशित एक अध्ययन रिपोर्ट में जापानी शोधकर्ताओं ने यह दावा किया है कि पृथ्वी के महासागर कभी हरे हुआ करते थे। प्राचीन काल में पृथ्वी के महासागरों के अलग रंग में दिखने का संबंध उनकी रसायन [illegible] संश्लेषण के विकास से है। भूविज्ञान के [illegible] रूप में, मुख्य ग्रह के इतिहास को रिकॉर्ड करने के लिहाज से 'बैंडेड आयरन' संरचना के रूप में जाने जाने वाले एक



संक्षेप

थौरी पावर हाउस का इनकमिंग-सिस्टम ठीक करने का काम शुरू

ग्रामीणों और किसानों को बिजली व्यवस्था सुधरने की उम्मीद

अमेठी , थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक क्षेत्र में थौरी पावर हाउस का 10 एमवीए इनकमिंग सिस्टम ठीक करने का काम शुरू हुआ है। इनकमिंग लाइन का फ्यूज बदला जा रहा है। ग्रामीणों और किसानों को बिजली व्यवस्था सुधरने की उम्मीद है। सिस्टम बंद होने से क्षेत्र के लोगों को बिजली को लेकर दिक्कतें हो रही थीं। काम पूरा होने के बाद बिजली व्यवस्था में सुधार की उम्मीद है। बेहतर बिजली मिलने से किसानों को सिंचाई और दूसरे कृषि कार्यों में सहूलियत हो सकती है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से काम जल्द पूरा कर नियमित बिजली देने की मांग की है। इस दौरान राम बहादुर, रामकरण, श्यामलाल, विनय प्रताप सिंह और अभय समेत क्षेत्र के ग्रामीण और किसान मौजूद रहे।

पट्टे की जमीन को लेकर विवाद

महिला ने कुल्हाड़ी से हमला करने का लगाया आरोप

अमेठी , जगदीशपुर थाना क्षेत्र के मड़वा के पूरे जालिम मल्लाह गांव में पट्टे की जमीन को लेकर विवाद हो गया। मनीषा ने गांव के बिरजू निषाद, उनकी पत्नी और दो बहुओं पर घर में घुसकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। महिला के मुताबिक, विवाद के दौरान बिरजू निषाद ने उनके सिर पर कुल्हाड़ी से वार किया। मारपीट में उनकी सास को भी चोटें आई हैं। मनीषा के अनुसार, जमीन को लेकर दोनों पक्षों के बीच करीब 15 साल से विवाद चल रहा है। उनका कहना है कि तत्कालीन ग्राम प्रधान के कार्यकाल में उन्हें पट्टे पर जमीन मिली थी। इस पर उनका पक्का मकान बना हुआ है। मकान के बगल में खाली पड़ी जमीन पर दूसरे पक्ष की ओर से कब्जे की कोशिश की जा रही है। मनीषा ने बताया कि घटना के समय उनके घर के सामने रखा मड़हा हटाया जा रहा था। इसका विरोध करने पर विवाद बढ़ गया और दूसरे पक्ष के लोगों ने मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव करने पहुंचीं उनकी सास को भी जमीन पर गिराकर पीटा गया। सूचना पर पहुंची पीआरबी पुलिस घायल मनीषा को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जगदीशपुर ले गई।

युवक से मारपीट के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

होटल के बाहर लाठी-डंडों से हमला; पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया

अमेठी , मोहनगंज थाना क्षेत्र में युवक से मारपीट के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस कार्रवाई कर रही है। ग्राम बहादुरगंज, मौजा मढ़ौना निवासी विवेक सिंह पुत्र प्रदीप सिंह 26 नवंबर 2026 की रात करीब 8 बजे दोस्तों के साथ मोहनगंज-तिलोई मार्ग पर पेट्रोल पंप के बगल में स्थित होटल में चाय पी रहे थे। शिकायत के मुताबिक, मोहनगंज निवासी नोमान ने विवेक को मारने की बात कही और फोन कर अपने साथियों को मौके पर बुलाया।

बैबाही के दूधाधारी में इंडियन बैंक के बीसी पॉइंट का शुभारंभ, ग्रामीणों को मिलेगी बैंकिंग सुविधा

शाखा प्रबंधक शोभित श्रीवास्तव ने फीता काटकर किया उद्घाटन, प्रदीप कुमार बने बीसी पॉइंट संचालक

अमन लेखनी समाचार

आर एन तिवारी



शिवपुर, बहराइच। ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं को आमजन तक आसानी से पहुंचाने के उद्देश्य से बैबाही के दूधाधारी में इंडियन बैंक के बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट (बीसी) पॉइंट का शुभारंभ किया गया। रामपुर धोबिया स्थित इंडियन बैंक के शाखा प्रबंधक शोभित श्रीवास्तव ने फीता काटकर केंद्र का उद्घाटन किया। इस बीसी पॉइंट का संचालन प्रदीप कुमार करेंगे।

इस अवसर पर शाखा प्रबंधक शोभित श्रीवास्तव ने कहा कि बैंकिंग माध्यम से सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाना हमारी प्रथम प्राथमिकता है। बीसी पॉइंट के माध्यम से विशेषकर ग्रामीण और ऐसे क्षेत्रों के लोगों को बुनियादी बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी, जहां बैंक शाखाओं तक पहुंचना आसान नहीं है।

उन्होंने कहा कि इस पहल से ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधाओं के लिए दूर जाने की परेशानी से राहत मिलेगी

अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार की मौके पर मौत, परिवार में मचा कोहराम

कुंडासर में हुआ दर्दनाक सड़क हादसा, 36 वर्षीय शंकर चौहान ने तोड़ा दम

अमन लेखनी समाचार

फखरपुर, बहराइच। थाना फखरपुर क्षेत्र के कुंडासर में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में साइकिल सवार की मौत हो गई। अज्ञात वाहन ने साइकिल से जा रहे व्यक्ति को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि साइकिल सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।मृतक की पहचान शंकर चौहान (36) पुत्र खुनखुन, निवासी बम्बहीबा के रूप में हुई है। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया।घटना की सूचना पुलिस को दी गई। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया।



परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस द्वारा मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

नवप्रवेशित बीएएमएस विद्यार्थियों को आयुर्वेद की शिक्षा से कराया परिचित

15 दिवसीय ट्रांजिशनल करिकुलम आयुरप्रवेशिका कार्यक्रम आयोजित

अमन लेखनी समाचार / संतोष मिश्रा



बहराइच। टिकोरा-सीतापुर हाईवे मार्ग के सबलापुर स्थित डॉ. सर्वेश कुमार शुक्ला आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में सत्र 2026-27 के नवप्रवेशित बीएएमएस छात्र-छात्राओं के लिए 15 दिवसीय ट्रांजिशनल करिकुलम आयुरप्रवेशिका कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को आयुर्वेद चिकित्सा शिक्षा, पाठ्यक्रम एवं अध्ययन पद्धति से परिचित कराया जा रहा है। कार्यक्रम में प्राचार्य डा. सतीश चन्द्र तिवारी,उप प्राचार्य डॉ. देवेश कुमार तिवारी एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. उमेश नारायण मिश्र ने नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को बीएएमएस पाठ्यक्रम के सिलेबस की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न विषयों की पढ़ाई, शैक्षणिक गतिविधियों, परीक्षा प्रणाली तथा चिकित्सा शिक्षा के दौरान अनुशासन और अध्ययन के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को आयुर्वेद की मूल अवधारणाओं को समझने, चिकित्सा क्षेत्र में सेवा भावना विकसित करने और नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य नए विद्यार्थियों को विद्यालयी शिक्षा से चिकित्सा शिक्षा के वातावरण में सहज रूप से समायोजित करना तथा आयुर्वेद के अध्ययन के प्रति उनकी रुचि बढ़ाना है।

घर के पास कुएं में मिला युवक का शव

एक दिन पहले ससुराल से लौटा था, कुएं के किनारे मिली चप्पल

अमन लेखनी समाचार



अमेठी , शिवरतनगंज क्षेत्र के महिया सिंदुरिया स्थित माठा गांव में घर के पास कुएं में 25 साल के युवक का शव मिला। मृतक की पहचान सोनू पुत्र उमाशंकर गोसाईं के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कुएं से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पत्नी को लेने ससुराल गया था युवक

परिजनों के मुताबिक, सोनू एक दिन पहले अपनी पत्नी को लेने ससुराल गया था। वहां किसी बात को लेकर पत्नी से उसका विवाद हो गया। इसके बाद वह शाम को पत्नी के बिना अकेले घर लौट आया।

सुबह बिस्तर पर नहीं मिला सोनू

परिजनों ने बताया कि सुबह करीब 5 बजे सोनू बिस्तर पर नहीं मिला। घरवालों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका पता नहीं चला। इस दौरान घर के पास स्थित कुएं के किनारे उसकी चप्पल दिखाई दी। शक होने पर परिजनों ने कुएं में कांटा डालकर तलाश की। इस दौरान कुएं में सोनू का शव मिला। इसकी सूचना पर ग्रामीणों के साथ डायल 112 की टीम और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चलेगी मौत की वजह डायल 112 की टीम और थाना पुलिस ने शव को कुएं से बाहर निकलवाया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।थाना प्रभारी दयाशंकर मिश्र ने बताया कि मौत की वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगी।

पुलिस मामले के हर पहलू की जांच कर रही है।

गोवध मामले में अमेठी का आरोपी गिरफ्तार

अब तक 3 आरोपी पकड़े गए, गोवंश के अवशेष मिलने पर पुलिस ने की कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार



सुल्तानपुर , बंधुआकला थाना क्षेत्र में गोवध के मामले में वांछित सीताराम को पुलिस ने शुक्रवार 3 बजे गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक 3 आरोपी पकड़े जा चुके हैं। पुलिस सीताराम को अदालत में पेश कर रही है। पुलिस के मुताबिक, 22 नवंबर को पूरे बुनियाद सिंह का पुरवा, मजरे ऊंचगांव में अज्ञात लोगों ने गोवंश की हत्या कर उसके अवशेष छोड़ दिए थे। लिखित शिकायत के आधार पर बंधुआकला थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने 27 नवंबर को मुखबिर की सूचना पर पूरे बुनियाद सिंह का पुरवा में नहर पटरी के पास से सीताराम को पकड़ा। वह अमेठी जिले के मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र के मझगंवा गांव का रहने वाला है। उसके पिता का नाम सोमई है। पुलिस के अनुसार, सीताराम के खिलाफ मुसाफिरखाना में भी केस इस मामले में इससे पहले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। 25 और 26 नवंबर की दरमियानी रात पड़वापुर नहर पटरी से टिकरिया की ओर पुलिस और वांछित आरोपी समीर के बीच मुठभेड़ हुई थी। समीर पुत्र फैय्याज उर्फ कल्लू, अमेठी जिले के मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र के तकिया गांव, मजरे जमुवारी का रहने वाला है। वह पैर में गोली लगने से घायल हुआ और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, समीर के पास से .315 बोर का अवैध तमंचा, जिंदा और खोखा कारतूस, चापड़ और चाकू मिला था। उसके खिलाफ सुल्तानपुर और अमेठी के अलग-अलग थानों में कुल 11 केस दर्ज बताए गए हैं। इस मामले में भी केस दर्ज किया गया था। सीओ सिटी राघवेंद्र सिंह ने बताया कि गोवंश की हत्या और अवशेष छोड़ने के मामले में संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया था। जांच के दौरान दो आरोपियों को पहले गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। अब सीताराम को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जा रहा है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

एलआईयू पुलिसकर्मी से मारपीट के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

सुल्तानपुर में पहले एक अन्य आरोपी की हो चुकी है गिरफ्तारी

कम करने को कहने पर हुआ था विवाद यह घटना कोतवाली नगर क्षेत्र

अमन लेखनी समाचार



सुल्तानपुर, एलआईयू पुलिसकर्मी से मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में कोतवाली नगर पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पंकज निषाद को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, पंकज निषाद (करीब 24) पुत्र अर्जुन प्रसाद, गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के ग्राम बसौढ़ी का निवासी है। 27 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने दोपहर करीब 2:25 बजे ग्राम बसौढ़ी में आरोपी के मकान के पास स्थित दुकान से उसे गिरफ्तार किया। टीम में उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार, कांस्टेबल विजय कुमार और महिला कांस्टेबल रूपाली शामिल थीं डीजे की आवाज में रोडवेज चौकी के अंतर्गत जिलाधिकारी आवास के सामने टीवीएस एजेंसी के पास हुई थी। आरोप है कि ड्यूटी पर तैनात एलआईयू आरक्षी अश्वनी मिश्रा ने डीजे की तेज आवाज और वाइब्रेशन कम करने के लिए कहा था। पुलिस के अनुसार, इससे नाराज होकर डीजे के साथ चल रहे श्री दुर्गा माता पूजा समिति, बसौढ़ी के लोगों ने आरक्षी के साथ मारपीट की। आरोप है कि उन्होंने लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला किया।

रोडवेज कर्मचारियों ने धरने की चेतावनी दी

मांगें नहीं मानी गईं तो 16 दिसंबर को प्रदर्शन करेंगे

अमन लेखनी समाचार



अमेठी ,रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के आह्वान पर शुक्रवार, 27 नवंबर 2026 को अमेठी डिपो में कर्मचारियों की बैठक हुई। कर्मचारियों ने मांगें नहीं माने जाने पर 16 दिसंबर 2026 को धरना-प्रदर्शन करने की चेतावनी दी। बैठक की अध्यक्षता राजबहादुर सिंह ने की। इसमें संविदा चालक-परिचालकों और आउटसोर्स कर्मचारियों का पारिश्रमिक बढ़ाने, नियमित करने और सामाजिक सुरक्षा देने सहित लंबित मांगों पर चर्चा हुई।

कर्मचारियों ने राष्ट्रीयकृत मार्गों पर निजी बसों के कथित अवैध संचालन और परमिट की शर्तों के उल्लंघन का मुद्दा उठाया। उनका कहना था कि इससे परिवहन निगम को आर्थिक नुकसान हो रहा है और निगम की आर्थिक स्थिति के साथ कर्मचारियों के हितों पर भी असर पड़ रहा है।

परिषद ने प्रदेश सरकार से उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए कदम उठाने और कर्मचारियों की लंबित समस्याओं का जल्द समाधान करने की मांग की।

बैठक में कर्मचारियों ने मांगों के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि मांगों की अनदेखी हुई तो आंदोलन को और व्यापक किया जा सकता है।

बच्चों को क्लास रूम में बंधक बनाया, बाहर कुत्ता बैठाया

अलीगढ़ में स्कूल संचालक की करतूत, पिता से कहा-फीस भरकर अपने बच्चे ले जाओ

अमन लेखनी समाचार



अलीगढ़ , फीस न जमा करने पर 3 बच्चों को स्कूल प्रबंधन ने करीब साढ़े चार घंटे तक बंधक बना कर रखा। तीनों मासूमों को एक क्लासरूम में बंद कर बाहर कुत्ता बांध दिया। स्कूल की छुट्टी होने के बाद भी जब बच्चे घर नहीं पहुंचे तो परिजन को चिंता हुई। वे स्कूल पहुंचे तो मासूम पहली मंजिल पर स्थित क्लासरूम में बंद मिले। डर के मारे वे लगातार रो रहे थे। मंगलवार की यह घटना जिला मुख्यालय से करीब 80 किलोमीटर दूर टप्पल थाना क्षेत्र की है। इस मामले का वीडियो भी सामने आया है। बच्चे एक ही परिवार के हैं। एक बच्ची यूकेजी और दो बच्चे नर्सरी में पढ़ते हैं। स्कूल प्रबंधन के अनुसार, तीनों बच्चों की करीब चार महीने की कुल 32 हजार रुपए फीस बकाया है। उधर, परिजनों ने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ तहरीर देकर ऋ्कफ की मांग की है। हालांकि, पुलिस के हस्तक्षेप के बाद दोनों पक्षों में समझौता हो गया। गांव हेतलपुर के एक व्यक्ति के तीन बच्चे जटारी कस्बे के एमडी जनता पब्लिक स्कूल में पढ़ते हैं। दोनों बेटे अभी नर्सरी में हैं जबकि एक बच्ची यूकेजी में पढ़ती है। पिता ने बताया कि मंगलवार को रोज की तरह उनके बच्चे स्कूल गए थे। स्कूल सुबह 9 बजे से डेढ़ बजे तक है। लेकिन जब देर शाम तक बच्चे घर नहीं पहुंचे तो अनहोनी का अंदेशा हुआ। वह स्कूल में बच्चों का पता करने करीब पांच बजे पहुंचे तो देखा कि बच्चे एक कमरे में बंद हैं। कमरे के बाहर कुत्ता बंधा था। परिजनों को देखकर बच्चे रोने लगे। वहां दो कर्मचारी भी कुर्सी लगाकर बैठे थे। जब उनसे बच्चों को बंधक बनाए जाने की वजह जाननी चाही तो वे बहसबाजी करने लगे। बच्चों की हालत देखकर परिजन भी तैस में आ गए। वे हंगामा करने लगे। इसी दौरान स्कूल के प्रधानाचार्य भी पहुंचे। उन्होंने बताया कि फीस जमा नहीं होने की वजह से बच्चों को रोका गया है। हालांकि, हंगामा बढ़ता देख स्कूल के लोगों ने बच्चों को छोड़ दिया। परिजन उनको घर लेकर गए।

स्कूल संचालक ने कहा- फीस जमा करो और बच्चों को ले जाओ

परिजनों का आरोप है कि बच्चों को साढ़े चार घंटे से अधिक समय तक कमरे में बंद रखा गया। जब वे बच्चों को लेने पहुंचे तो स्कूल संचालक ने कहा कि पहले फीस जमा करो, फिर बच्चों को ले जाओ। परिजनों ने इस मामले में जटारी पुलिस चौकी पर लिखित शिकायत दी है।

प्रिंसिपल बोले- फीस के लिए फोन-मैसेज किए, लेकिन जवाब नहीं मिला

स्कूल के प्रिंसिपल सौरभ चौधरी का कहना है कि फीस जमा कराने के लिए अभिभावकों को कई बार फोन और मैसेज किए गए, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। बच्चों को बंधक बनाने का आरोप गलत है।

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव

नहीं हो पाई पहचान, जीआरपी मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी

अमन लेखनी समाचार



मथुरा , नए बस स्टैंड के पास गुरुवार रात करीब 9 बजे रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। रेलवे ट्रैक पर शव पड़ा होने की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। घटना की सूचना जीआरपी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। जीआरपी पुलिस ने रेलवे ट्रैक से शव को कब्जे में लेकर उसकी पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन काफी प्रयासों के बावजूद मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र और अन्य पहचान संबंधी जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि उसके परिजनों तक पहुंचा जा सके जीआरपी पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान कराने के लिए उसके फोटो सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से प्रसारित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही आसपास के जनपदों की पुलिस को भी फोटो भेजे जा रहे हैं, जिससे यदि किसी व्यक्ति की गुमशुदगी दर्ज हो तो उसके आधार पर पहचान की जा सके। रेलवे ट्रैक पर शव मिलने के बाद व्यक्ति की मौत को लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि व्यक्ति की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। जीआरपी अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और मृतक की पहचान होने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

49 दरोगाओं के तबादले

एसपी दीपक भूकर ने थानों और चौकियों में बदली तैनाती

अमन लेखनी समाचार



प्रतापगढ़ , शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने 49 उपनिरीक्षकों के तबादले के आदेश जारी किए। इसमें कई थानों और पुलिस चौकियों के प्रभारियों की जिम्मेदारी बदली गई है। कुछ दरोगाओं को थानों से चौकियों पर भेजा गया है, जबकि कई चौकी प्रभारियों को थानों में तैनाती दी गई है। सभी को तत्काल नई तैनाती स्थल पर कार्यभार संभालने के निर्देश दिए गए हैं। तबादला सूची के अनुसार, ट्रामा सेंटर लालगंज चौकी प्रभारी मिथिलेश चौरसिया को पुलिस लाइन भेजा गया है। संग्रामगढ़ थाने में तैनात अंशु सिंह सेंगर को अंतू की गड़वारा चौकी की जिम्मेदारी दी गई है। अमित कुमार को मानिकपुर कस्बा चौकी से अंतू की किठावर चौकी, अखिलेश प्रताप को पृथ्वीगंज से आसपुर देवसरा की ढकवा चौकी और अमित कुमार वर्मा को गजिराही से सैकाबाद चौकी भेजा गया है। उमेश प्रताप सिंह को कोहड़ौर थाने से देल्हूपुर की छितपालगढ़ चौकी, चंद्रबली सिंह को कुंडा कस्बा चौकी से उदयपुर थाना, प्रभात कुमार को लालगंज थाने से कंधई की मंदाह चौकी और अशोक कुमार को अंतू थाने से कंधई की किशुनगंज चौकी भेजा गया है। नंदलाल को लालगंज से कंधई थाने में तैनाती मिली है। रमेश तिवारी को भगवा चौकी से कुंडा थाना, कैलाश यादव को दीवानगंज से कुंडा कस्बा चौकी, राजेश यादव को मोहनगंज से कोतवाली नगर और राजीव वर्मा को कटरा गुलाब सिंह से कोतवाली देहात की कटरा चौकी भेजा गया है। बिहरिया से भूपियामऊ चौकी की जिम्मेदारी दी आदित्य पांडेय को घुइसरनाथ से मोहनगंज और अजय कुमार को बिहरिया से भूपियामऊ चौकी की जिम्मेदारी दी गई है। महिला उपनिरीक्षक राखी सिंह को हथिगवां थाने से कोतवाली देहात की बेलखरी/पुरेलाल चौकी भेजा गया है।

अदालतों के बदलाव के विरोध में वकीलों का सत्याग्रह जारी

प्रतापगढ़ में 5वें दिन भी न्यायिक काम से रहे दूर, मुख्य गेट पर प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार



प्रतापगढ़ , दीवानी न्यायालय की कुछ अदालतों का स्थान बदलने और मुकदमों की पत्रावलियां ग्रामीण आउटलाइन कोर्ट भेजने के विरोध में अधिवक्ताओं का सत्याग्रह पांचवें दिन भी जारी रहा। शुक्रवार को वकीलों ने कोर्ट परिसर के मुख्य गेट पर प्रदर्शन किया और न्यायिक कामकाज में सहयोग नहीं किया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने नारेबाजी भी की। अधिवक्ताओं का कहना है कि अदालतों का स्थान बदलने के साथ ग्रामीण आउटलाइन कोर्ट भेजी गई पत्रावलियों की सुनवाई का स्थान भी गोपनीय तरीके से बदल दिया गया। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों पर मनमाने ढंग से फैसले लेने का आरोप लगाया। वकीलों ने इन बदलावों को लेकर विरोध जारी रखने की बात कही। बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने की बैठक कचहरी परिसर स्थित जूनियर बार एसोसिएशन के कार्यालय में बैठक हुई। इसमें अध्यक्ष करुणाशंकर मिश्र, महामंत्री कौशलेश त्रिपाठी, जिला बार अध्यक्ष चंद्र प्रताप सिंह, महामंत्री योगेश सिंह, वकील परिषद अध्यक्ष इंदुभाल मिश्र और मंत्री आशीष पांडेय समेत वरिष्ठ अधिवक्ता शामिल हुए।

न्यायिक काम से दूर रहने का लिया निर्णय

बैठक में न्यायिक कामकाज में किए गए बदलावों का विरोध करने का फैसला लिया गया। अधिवक्ताओं ने आंदोलन के दौरान न्यायिक कार्य से दूर रहने का निर्णय लिया। शुक्रवार शाम को वार्ता के लिए प्रशासनिक और न्यायिक अधिकारियों को आमंत्रण भी भेजा गया। हालांकि, पांचवें दिन भी अधिवक्ता अपनी मांगों पर अड़े रहे।

संक्षेप

किसानों ने गन्ने का दाम 600 रुपये करने की मांग

बागपत में मुख्यमंत्री के नाम डीएम को सौंपा मांग पत्र; कर्ज माफी और 200 यूनिट मुफ्त बिजली की भी मांग

बागपत , किसानों, मजदूरों और बेरोजगार युवक-युवतियों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी को मांग पत्र सौंपा गया। इसमें ग्रामीण इलाकों से लेकर ब्लॉक, तहसील, नगर और जिला स्तर की समस्याओं के समाधान की मांग की गई। भूमि अधिग्रहण पर रोक लगाने और किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता से हल करने की बात भी कही गई। मांग पत्र में गन्ने का दाम 600 रुपये प्रति क्विंटल करने और बकाया भुगतान के साथ एरियर व ब्याज जल्द देने की मांग की गई। किसानों का कर्ज माफ करने, खाद की व्यवस्था करने और सिंचाई के लिए नहरों में पर्याप्त पानी देने की मांग भी शामिल है। आवारा पशुओं से फसलों को हुए नुकसान की भरपाई करने को भी कहा गया। इसके अलावा मेरठ मंडल में हाईकोर्ट स्थापित करने, ट्रांसफार्मरों से स्टार्टर और केबल चोरी रोकने तथा गांवों के कुओं और तालाबों से अवैध कब्जे हटाकर उनका नवीनीकरण कराने की मांग की गई। मांग पत्र में गरीब परिवारों को हर महीने 5 हजार रुपये पेंशन देने, 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने और राजस्व मामलों का जल्द निपटारा करने की मांग भी रखी गई। कानून-व्यवस्था बेहतर करने, असामाजिक तत्वों के खिलाफ अभियान चलाने और थानों, चौराहों व भीड़भाड़ वाली जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की बात कही गई। सभी सरकारी विभागों में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने, संविदा कर्मचारियों को स्थायी करने और पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग भी की गई। मांग पत्र सौंपने वालों ने मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन से समस्याओं पर विचार कर जल्द समाधान करने की अपील की।

रास्ता रोककर दो भाइयों पर हमला किया

निरपुड़ा गांव में लाठी-डंडों, सरियों और धारदार हथियारों से मारपीट

बिनौली (बिनौली), बागपत, निरपुड़ा गांव में पुरानी रंजिश को लेकर कई लोगों ने दो भाइयों पर लाठी-डंडों, सरियों और धारदार हथियारों से हमला किया। दोनों भाई घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें बिनौली सीएचसी भेजा। दोघट थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। शान मोहम्मद पुत्र सत्तार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 25 नवंबर की रात करीब साढ़े आठ बजे वह अपने भाई महरबान के साथ चाचा फय्याज के घर से गगेरू स्थित अपने मकान जा रहे थे। शमशाद नाई की दुकान के सामने मुजीब और हासिम ने बाइक आगे लगाकर उनका रास्ता रोक दिया। शिकायत के मुताबिक, इसके बाद अजमल, मीर, आशजद, मुज्जमिल, अनस और सुवेब भी वहां पहुंचे। सभी ने गाली-गलौज कर लाठी-डंडों, सरियों और धारदार हथियारों से हमला किया। शोर सुनकर आशिफ और जुनैद वहां पहुंचे और दोनों भाइयों को आरोपियों से बचाकर ले गए। दोनों भाई नईम उर्फ सुक्का के घर में छिप गए। आरोप है कि हमलावर वहां भी पहुंचे और नईम के विरोध के बावजूद घर में घुसकर मारपीट की। शान मोहम्मद के सिर, ठोड़ी, कमर और हाथों पर चोटें आईं। सिर में चोट लगने से वह बेहोश होकर गिर गया। महरबान पर भी धारदार हथियार से हमला करने का आरोप है।

यूपीपीएससी-2025 का प्री रिजल्ट रिवाइज्ड होगा, मेंस-इंटरव्यू दोबारा होंगे

हाईकोर्ट ने नए सिरे से मेरिट बनाने का आदेश दिया

अमन लेखनी समाचार



प्रयागराज,इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपीपीएससी-2025 की प्रारंभिक परीक्षा के रिजल्ट को रिवाइज करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) को नए सिरे से मेरिट लिस्ट तैयार करने का आदेश दिया है। संशोधित रिजल्ट के आधार पर अब मुख्य परीक्षा दोबारा कराई जाएगी। इसके बाद इंटरव्यू भी नए सिरे से होंगे। जस्टिस मनीष कुमार निगम की बेंच ने आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों की याचिका पर यह फैसला सुनाया। अभ्यर्थियों का आरोप था कि सामान्य वर्ग के अंतिम चयनित अभ्यर्थियों से अधिक अंक होने के बावजूद उन्हें ओपन कैटेगरी में जगह नहीं दी गई। उन्होंने मेरिटोरियस रिजर्व कैटेगरी के तहत ओपन कैटेगरी में माइग्रेशन का लाभ देने की मांग की थी।

पेपर दोबारा नहीं होगा, पुराने अंकों से बनेगी नई मेरिट

अभ्यर्थियों के अधिवक्ता अभिषेक शुक्ला ने बताया कि प्रारंभिक परीक्षा का पेपर दोबारा नहीं कराया जाएगा। पहले हो चुकी परीक्षा के अंकों के आधार पर ही नए सिरे से रिजल्ट तैयार किया जाएगा। योग्य अभ्यर्थियों को मेरिट के आधार पर ओपन कैटेगरी में शामिल किया जाएगा।

आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने मांगा था ओपन कैटेगरी में मौका

दरअसल, आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर यह बताया था कि उनका नंबर अनारक्षित वर्ग के आखिरी चयनित अभ्यर्थियों से अधिक था लेकिन इसके बाद भी उनको ओपन कैटेगरी में जगह नहीं मिली। जबकि उनको मुख्य परीक्षा में शामिल करना चाहिए था। याचिकाकताओं के अनुसार, ओपन कैटेगरी किसी एक वर्ग के लिए आरक्षित नहीं है। इसमें सभी वर्गों के अभ्यर्थी मेरिट के आधार पर जगह पा सकते हैं। ऐसे में आरक्षित वर्ग के जिन अभ्यर्थियों के अंक सामान्य श्रेणी के कटऑफ से अधिक हैं, उन्हें ओपन कैटेगरी में शामिल किया जाना चाहिए था।

हत्या के लिए 3 शूटरों को मिला था कॉन्ट्रैक्ट

प्रयागराज में सैलून के अंदर युवक पर बरसाईं गोलियां, परिजनों ने किया हंगामा

अमन लेखनी समाचार



प्रयागराज , सैलून में शेविंग करा रहे अरविंद पासी (32) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। 3 शूटरों ने उस पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं, जिनमें 4 गोलियां उसे लगीं। पुलिस की जांच में सामने आया कि अरविंद एक हत्या के मामले में गवाह था। गवाही से हटने के लिए उसे बार-बार धमकियां दी जा रही थीं। इसी रंजिश में आरोपियों ने कॉन्ट्रैक्ट पर 3 शूटरों को हायर किया था। उन्होंने करीब 2 दिनों तक उसकी रेकी की थी। गुरुवार को अरविंद अपनी मौसी के बेटे के तिलक समारोह में जाने के लिए शेविंग कराने पहुंचा था। घर से करीब 200 मीटर दूर यूको बैंक के पास सैलून में जैसे ही वह कुर्सी पर बैठा, शूटरों ने हमला कर दिया। घायल अरविंद को एसआरएन अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों ने आरोपियों के एनकाउंटर की मांग करते हुए करीब 2 घंटे तक हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी और कार्रवाई का आश्वासन देकर मामला शांत कराया। आज दोपहर में शव का पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। घटना गुरुवार शाम करीब 6 बजे अल्लापुर थाना क्षेत्र में हुई। अरविंद अल्लापुर के पूरा दलेल का रहने वाला था। गुरुवार को उसकी मौसी के बेटे का तिलक था। इसी में जाने के लिए वह शेरू नाई की दुकान पर शेविंग कराने पहुंचा था। यूको बैंक के पास दुकान पर अरविंद कुर्सी पर बैठा था, तभी चेहरा ढके तीन हमलावर वहां पहुंचे। एक ने रुमाल और दूसरे ने कैप लगा रखी थी। एक हमलावर ने नाई के सिर पर तमंचा लगा दिया, जबकि बाकी दो ने अरविंद पर गोलियां चला दीं। उसे सिर, पीठ और पेट के पास चार गोलियां लगीं। फायरिंग के बाद हमलावर मौके से भाग निकले। सूचना पर पहुंचे।

नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर रेप

सामान देने के बहाने घर में घुसा, अश्लील वीडियो बनाई; 7 महीने ब्लैकमेल किया

अमन लेखनी समाचार



मेरठ , परतापुर थाना क्षेत्र में महिला को नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर दुष्कर्म करने और अश्लील वीडियो बनाकर सात महीने तक ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव का ही युवक सामान देने के बहाने पहले महिला के घर पहुंचा और पति की गैरमौजूदगी में उसे नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया। इसके बाद अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी लगातार उसका शारीरिक शोषण करता रहा। विरोध करने पर आरोपी ने महिला के साथ मारपीट भी की। परेशान होकर पीड़िता ने पुलिस के आला अधिकारियों से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है।

पहले एक नजर पूरी वारदात पर

पीड़ित के मुताबिक, 10 मार्च, 2026 को उसका पति बच्चों को लेकर अपनी बहन के यहां गया हुआ था। घर पर वह अकेली थी। इसी दौरान गांव का उस्मान सामान लेकर उसके घर पहुंचा। गांव का होने के कारण महिला ने उसे घर के अंदर बुला लिया और चाय बनाने की बात कही। आरोप है कि उस्मान ने चाय बनाने से मना करते हुए अपने साथ लाई कोल्ड ड्रिंक पीने की बात कही और महिला से दो गिलास मंगवाए।बेहोश होने पर दुष्कर्म किया, वीडियो बनाईमहिला का आरोप है कि उस्मान ने उसे जबरन कोल्ड ड्रिंक पिला दी। इसे पीने के बाद वह बेहोश हो गई। इसी दौरान आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बना ली।करीब चार से पांच घंटे तक आरोपी उसके घर में रहा। होश आने पर महिला को अपने साथ हुई घटना का पता चला। आरोपी ने उसे धमकी दी कि यदि उसने किसी को बताया तो वीडियो वायरल कर देगा।वीडियो वायरल की धमकी देकर किया शोषणपीड़िता के अनुसार, वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने के बाद आरोपी उसे अलग-अलग जगह बुलाने लगा।

युवती से मारपीट-दुष्कर्म मामले में तीनों आरोपी जेल पहुंचे

होटल स्क्वायर का संचालक और मैनेजर बने 120बी के मुलजिम, मेडिकल में दुष्कर्म की पुष्टि

अमन लेखनी समाचार



मेरठ , आबूलेन स्थित होटल स्क्वायर में गाजियाबाद की युवती के साथ अभद्रता, मारपीट और दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने मुख्य आरोपी सलमान को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। युवती की मेडिकल जांच में भी दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। वहीं, होटल संचालक गोविंद चौरसिया और मैनेजर किसना को भी पुलिस ने इस मामले में 120-बी का आरोपी बनाया है। दोनों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें भी जेल भेज दिया गया। दरअसल, आबूलेन स्थित होटल स्क्वायर में गाजियाबाद की युवती के साथ अभद्रता और मारपीट की घटना सामने आई थी। युवती ने आरोप लगाया था कि होटल में उसके साथ दुष्कर्म किया गया उसे चाकू की नोंक पर बंधक बनाकर रखा गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर आरोपी सलमान के खिलाफ दुष्कर्म, मारपीट समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी सलमान को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया, जिसमें दुष्कर्म की पुष्टि होने की बात सामने आई।

होटल मैनेजर-मालिक 120बी के मुलजिम

मामले में पुलिस ने होटल के संचालक गोविंद चौरसिया और मैनेजर किसना की भूमिका की भी जांच की। पुलिस ने दोनों को भी मुकदमे में शामिल करते हुए उनके खिलाफ षड्यंत्र की धारा 120बी के तहत कार्रवाई की। दोनों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

सराय एक्ट में भी दर्ज होगा मुकदमा

होटल संचालक और मैनेजर के खिलाफ सराय एक्ट के तहत भी अलग से मुकदमा दर्ज किया जाना है। पुलिस होटल के संचालन से जुड़े दस्तावेजों और नियमों की भी जांच कर रही है। इस प्रकरण में होटल की भूमिका को लेकर भी पुलिस की जांच जारी है। इस तरह युवती से जुड़े मामले में मुख्य आरोपी सलमान के साथ होटल संचालक और मैनेजर भी जेल पहुंच गए हैं।

सौरव दास के आने से पहले छात्रों-पुलिस में नोकझोंक

मेरठ में सीजेपी नेता ने पुलिस के सामने हाथ जोड़ा, समर्थकों को एसपी सिटी ने हटाया

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में संविधान दिवस के मौके पर कॉकरोच जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सौरव दास के आने से पहले ही माहौल गरमा गया। सीजेपी नेता को विश्वविद्यालय परिसर में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने आना था। शाम में सौरव दास को मेरठ के बाहर काशी टोल प्लाजा पर रोक लिया गया। उन्हें शहर में एंट्री नहीं दी गई।



छात्र इकट्ठा हुए तो पुलिस पहुंची, हटने को कहा तो नोकझोंक हुई

उनके आने सूचना पर बड़ी संख्या में छात्र परिसर में इकट् ठा हो गए। स्थिति को देखते हुए एसपी सिटी विनायक गोपाल भोसले भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने पहले छात्रों से बातचीत की और उन्हें समझाकर वहां से हटने के लिए कहा हालांकि, छात्र अपनी जगह से हटने को तैयार नहीं हुए। इसके बाद पुलिस और छात्रों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते नोकझोंक और गर्मागर्मी में बदल गई।स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब चार से पांच छात्रों को अपने वाहन में बैठा लिया और वहां से ले गई। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम के दौरान सौरव दास विश्वविद्यालय नहीं पहुंचे थे।

गाजियाबाद में युवकों ने छात्र को घेरकर पीटा

कृष्ण इंटर कॉलेज के सामने की घटना, तीन बाइक पर आए थे छह युवक

अमन लेखनी समाचार



गाजियाबाद , विजयनगर थाना क्षेत्र में कृष्ण इंटर कॉलेज के सामने एक छात्र के साथ मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में बाइक सवार कुछ युवक छात्र के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि दो से तीन बाइक पर सवार होकर पांच से छह युवक मौके पर पहुंचे थे। इसके बाद युवकों ने छात्र को घेर लिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। वायरल वीडियो में सड़क पर युवकों की भीड़ दिखाई दे रही है। बाइक से पहुंचे युवक छात्र के साथ मारपीट करते नजर आ रहे हैं। घटना के दौरान मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने हस्तक्षेप किया और छात्र को युवकों से बचाया। दिनदहाड़े हुई इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद इलाके में घटना को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि युवकों ने छात्र के साथ किस वजह से मारपीट की। घटना के पीछे पुरानी रंजिश है या फिर कोई अन्य विवाद, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

वहीं, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस भी मामले की जांच कर रही है। पुलिस वीडियो में दिखाई दे रहे युवकों की पहचान करने के साथ ही घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटा रही है।

विजयनगर थाना प्रभारी का कहना है कि मामले में अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। वायरल वीडियो के आधार पर जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घर के बाहर खड़े होने के विरोध पर ताबड़तोड़ फायरिंग

मेरठ में राहगीर के हाथ में लगी गोली; बाइक सवार युवकों ने पिस्तौल से चलाईं गोलियां

अमन लेखनी समाचार



मेरठ , लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के इत्तेफाक नगर में रात घर के बाहर खड़े होकर बातचीत करने का विरोध करने पर बाइक सवार युवकों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। अचानक हुई फायरिंग से इलाके में भगदड़ मच गई। इस दौरान रास्ते से गुजर रहे एक राहगीर के हाथ में गोली लग गई। वारदात के बाद आरोपी फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से कारतूस के खोखे बरामद किए और घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस आसपास लगे उउळश कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों की तलाश कर रही है।

घर के बाहर खड़े होने को लेकर हुआ था विवाद

दरअसल, इत्तेफाक नगर निवासी इमरान पुत्र मकसूद अपने परिवार के साथ रहते हैं। बताया गया कि बुधवार को उनके बेटे अयान ने घर के बाहर खड़े होकर बातचीत कर रहे कुछ युवकों का विरोध किया था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई थी। आरोप है कि इसी रंजिश में गुरुवार रात करीब आठ युवक बाइक पर सवार होकर इमरान के घर के बाहर पहुंच गए। उन्होंने पिस्तौल निकालकर से ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई गोलीबारी से आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक राहगीर के हाथ में गोली लग गई।

दाऊद के साथियों पर फायरिंग का आरोप

इमरान ने बताया कि कॉलोनी के ही रहने वाले युवकों से उनके बेटे अयान की कहासुनी हुई थी। इसी रंजिश में गुरुवार रात दाऊद अपने साथी सुहेल, समीर, समद और तीन अज्ञात युवकों के साथ बाइक पर सवार होकर मौके पर पहुंचा था। आरोप है कि इसी दौरान फायरिंग की गई। हालांकि घटना में शामिल युवकों और फायरिंग करने वालों की भूमिका को लेकर पुलिस जांच कर रही है।एक युवक के हाथ में लगी गोलीगोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए।लोगों को अपनी ओर आता देख बाइक सवार युवक मौके से फरार हो गए। सूचना पर लिसाड़ी गेट पुलिस पहुंची और घटनास्थल से कारतूस के खोखे बरामद किए। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।आसपास के सीसीटीवी खंगाल रही है पुलिसघटना की जानकारी मिलते ही मौके पर एसपी सिटी विनायक गोपाल भोसले सीओ कोतवाली संग्राम सिंह लिसाड़ी गेट थाना प्रभारी विशाल कुमार सहित भारी पुलिस बल पहुंच गया है पूरे इलाके में पुलिस ग्रस्त कर रही है पूरी इलाके के सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

चुनाव से पहले 45 निरीक्षकों का तबादला

आगरा कमिश्नरेट में सबसे ज्यादा तैनाती, 3 साल का कार्यकाल पूरा कर चुके थे

अमन लेखनी समाचार



नोएड,आगामी विधानसभा चुनाव 2027 से पहले गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट में बड़ा फेरबदल हुआ है। यहां तैनात 45 निरीक्षकों का दूसरे कमिश्नरेट और पुलिस जोन में तबादला किया गया है। डीजीपी मुख्यालय ने आदेश जारी कर सभी निरीक्षकों को तत्काल कार्यमुक्त करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस महानिदेशक मुख्यालय, लखनऊ की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, एक जिले में तीन साल का कार्यकाल पूरा कर चुके निरीक्षकों को स्थानांतरित किया गया है। पुलिस स्थापना बोर्ड के अनुमोदन के बाद जारी सूची में निरीक्षकों को प्रदेश के अलग-अलग कमिश्नरेट और जोन में भेजा गया है। आगरा कमिश्नरेट में सबसे ज्यादा निरीक्षक भेजे तबादला सूची में आगरा, लखनऊ, कानपुर नगर, गाजियाबाद, मेरठ और प्रयागराज समेत अन्य कमिश्नरेट और जोन शामिल हैं। इनमें सबसे अधिक निरीक्षकों को आगरा कमिश्नरेट में तैनाती दी गई है। इसके अलावा लखनऊ, कानपुर नगर, गाजियाबाद, मेरठ और प्रयागराज में भी निरीक्षकों को भेजा गया है। 20 थानेदारों का कार्यकाल भी तीन साल से ज्यादा गौतमबुद्धनगर में कुल 27 थाने हैं। इनमें करीब 20 थानों के प्रभारी ऐसे हैं।

बेकाबू कार ने दो ठेली संचालकों को टक्कर मारी

ग्रेटर नोएडा में नाले में गिरी; चालक की मौत, दोनों ठेली संचालक घायल

अमन लेखनी समाचार



गौतम बुद्ध नगर,ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-3 में रात एक कार ने सड़क किनारे सामान बेच रहे दो ठेली संचालकों को टक्कर मार दी। इसके बाद कार नाले में जा गिरी। हादसे में कार चालक समेत तीन लोग घायल हुए। अस्पताल में इलाज के दौरान चालक की मौत हो गई। दोनों ठेली संचालकों का इलाज जारी है। पुलिस के मुताबिक, रात नॉलेज पार्क थाने को पीआरवी के जरिए कार नाले में गिरने की सूचना मिली। पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच में पता चला कि ग्लैंजा कार (डीएल 10 सीजेड 2817) विद्यापीठ डिकेथलॉन के सामने अनियंत्रित हो गई थी। कार ने सड़क किनारे ठेली लगाकर सामान बेच रहे राजकुमार और सुधीर को टक्कर मारी। इसके बाद कार नाले में जा गिरी। हादसे में चालक गगन सेठ (50), पुत्र सुरेश कुमार सेठ, निवासी राजनगर, गाजियाबाद घायल हुए। घायल ठेली संचालक राजकुमार, पुत्र नुकुल प्रसाद, निवासी ग्राम टडीया मोहसीम, थाना नवाबगंज, जिला बरेली और सुधीर, पुत्र रतीराम, निवासी एत्मादपुर, थाना कलान, जिला शाहजहांपुर भी अस्पताल में भर्ती हैं। पुलिस ने तीनों को अस्पताल पहुंचाया।

164 विदेशी नागरिकों को बंधक बनाया

नौकरी का झांसा देकर भारत लाए, पासपोर्ट छीने; दिल्ली पुलिस ने मुक्त कराया

अमन लेखनी समाचार

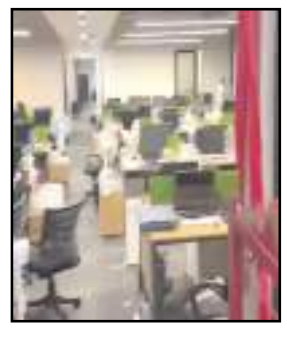

नोएडा,नौकरी का सपना दिखाकर विदेश से भारत बुलाया, फिर पासपोर्ट कब्जे में लेकर साइबर ठगी के धंधे में धकेल दिया। विरोध करने पर बंधक बनाकर रखा गया। नोएडा के सेक्टर-136 में चल रहे अंतरराष्ट्रीय साइबर गुलामी के इस कथित नेटवर्क का दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने पदार्फाश किया है। ज्वाइंट सीपी क्राइम सुरेंद्र कुमार ने बताया कि टीम ने कॉल सेंटर से 164 विदेशी नागरिकों को मुक्त कराया है। इनमें इंडोनेशिया के 92 और मलेशिया के 72 नागरिक शामिल हैं। सभी की उम्र 19 से 22 साल के बीच बताई गई है। मौके से एक मलेशियाई नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। यहां विदेशी नागरिकों से फर्जी महिला प्रोफाइल बनवाकर लोगों को ऑनलाइन निवेश के जाल में फंसाया जा रहा था। लैपटॉप और कंप्यूटर के जरिए साइबर ठगी का पूरा नेटवर्क संचालित हो रहा था। मुक्त कराए गए लोगों में दो भारतीय नागरिक भी बताए गए हैं। विदेशी नागरिकों को सुरक्षित निकालने के बाद संबंधित दूतावासों से संपर्क किया जा रहा है।

मलेशियाई नागरिक के ई-मेल से खुला पूरा मामला

इस पूरे नेटवर्क का खुलासा एक मलेशियाई नागरिक की शिकायत से हुआ। करीब एक सप्ताह पहले उसने दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को ई-मेल भेजकर अपने साथ हुई घटना और वहां चल रही गतिविधियों की जानकारी दी थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए क्राइम ब्रांच ने उससे संपर्क किया और बताए गए तथ्यों का ग्राउंड लेवल पर सत्यापन कराया। जांच में नोएडा के सेक्टर-136 में एक कॉल सेंटर का पता चला।

एसपी ने शुक्रवार परेड की ली सलामी, पुलिसकर्मियों के साथ लगाई दौड़, यूपी-112 की कार्यप्रणाली परखी

पुलिस लाइन में शस्त्रागार, बैरक, मेस और क्वार्टर गार्ड का किया निरीक्षण, जवानों को अलर्ट रहने के दिए निर्देश

अमन लेखनी समाचार



उरई (जालौन)। पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद्र रावत ने शुक्रवार को पुलिस लाइन उरई स्थित परेड ग्राउंड में साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी ग्रहण कर परेड का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिसकर्मियों की शारीरिक फिटनेस परखने के लिए जवानों के साथ स्वयं दौड़ लगाई और टोलीवार ड्रिल कराकर अनुशासन एवं कार्यक्षमता का जायजा लिया। परेड के दौरान पुलिसकर्मियों के उत्तम टर्नआउट की सराहना करते हुए एसपी ने सभी जवानों को हमेशा सतर्क और मुस्तैद रहने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने आपातकालीन सेवा यूपी-112 के पीआरवी वाहनों का निरीक्षण किया। इस दौरान वाहनों के रिस्पॉन्स टाइम, जीपीएस, हूटर, लाइट और दंगा नियंत्रण उपकरणों की बारीकी से जांच की गई। एसपी ने पीआरवी कर्मियों को घटनास्थल पर पहुंचकर क्राइम सीन सुरक्षित रखने तथा घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिलाया। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी सूचना पर न्यूनतम समय में घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ितों की मदद करें और आमजन के साथ विनम्र व्यवहार बनाए रखें। निरीक्षण के अगले क्रम में एसपी ने क्वार्टर गार्ड, शस्त्रागार, पुलिस बैरकों, कैंटीन और मेस का जायजा लिया। उन्होंने परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने के साथ पुलिसकर्मियों को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। अर्दली रूम में अभिलेखों का भी अवलोकन किया। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी सदर राजेश कमल, प्रतिसार निरीक्षक सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

महिला मतदाताओं को जागरूक करने गांव पहुंचीं एआरटीओ सौम्या पाण्डेय, घर-घर किया सर्वेक्षण

बूथ संख्या 105 और 106 पर मिलीं कई महिलाओं के दस्तावेजों में कमियां, फॉर्म-छह भरकर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की अपील

अमन लेखनी समाचार



उरई (जालौन) मतदाता सूची में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और पात्र महिलाओं के नाम दर्ज कराने के लिए प्रशासन ने जागरूकता अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में जिलाधिकारी के निर्देश पर गुरुवार को एआरटीओ सौम्या पाण्डेय ने सिहारी दाउदपुर गांव के बूथ संख्या 105 और 106 का निरीक्षण कर घर-घर पहुंचकर महिला मतदाताओं से संवाद किया। घर-घर सर्वेक्षण के दौरान सामने आया कि गांव में कई पात्र महिलाएं ऐसी हैं, जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं हो पाया है। जानकारी करने पर पता चला कि आवश्यक दस्तावेजों की कमी अथवा कागजात अधूरे होने के कारण वे फॉर्म-छह जमा नहीं कर पा रही हैं। इस पर एआरटीओ सौम्या पाण्डेय ने महिलाओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने का महत्व समझाया और उन्हें अपने मताधिकार के प्रति जागरूक किया। उन्होंने अपील की कि जिन पात्र महिलाओं के नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हैं, वे जल्द से जल्द आवश्यक दस्तावेज पूरे कर फॉर्म-छह के माध्यम से अपना पंजीकरण कराएं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में प्रत्येक मतदाता की भागीदारी महत्वपूर्ण है। महिलाओं की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए पात्र महिलाओं का मतदाता सूची में नाम दर्ज होना जरूरी है।

सगौली में पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु आरोग्य मेले का आयोजन

गौ पूजन कर प्रधान प्रतिनिधि प्रताप नायक ने किया मेले का शुभारंभ

अमन लेखनी समाचार/ हेमन्त यादव



गरौठा(झांसी)। विकासखंड बामौर की ग्राम पंचायत सगौली में शुक्रवार, 27 नवंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ ग्राम प्रधान प्रतिनिधि प्रताप नायक ने गौ पूजन कर किया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने शामिल होकर गौ माता का पूजन किया। पशुपालन विभाग द्वारा आयोजित मेले में पशुओं की चिकित्सा, शल्य क्रिया, गर्भ परीक्षण, कृमिनाशक दवापान एवं कृत्रिम गर्भाधान सहित विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। पशु चिकित्सकों की टीम ने लगभग 1235 छोटे-बड़े पशुओं की जांच एवं उपचार किया तथा पशुपालकों को आवश्यक दवाएं वितरित कीं। इस अवसर पर पशु चिकित्साधिकारी डॉ. चंद्रप्रकाश, डॉ. रोहित कुमार, डॉ. शैलेंद्र शर्मा लखावती सहित भगवानदास, सुधांशु, कुलदीप, हरपाल सिंह, अशोक कुमार एवं मोहित कुमार ने पशुपालकों को पशुओं को रोगमुक्त रखने, बेहतर देखभाल और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। प्रधान प्रतिनिधि प्रताप नायक ने कहा कि ऐसे आयोजन पशुधन को स्वस्थ एवं संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पशुओं का स्वास्थ्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। पशुपालन को बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ाने में भी मदद मिलती है। मेले में सैकड़ों ग्रामीण एवं पशुपालक उपस्थित रहे।

बेटी को ले जाने को लेकर चौराहे पर विवाद, पति पर पत्नी और मौसी से मारपीट का आरोप

थाने से शिकायत कर लौट रही महिला को रास्ते में घेरने का आरोप, बेटी को साथ ले जाने को लेकर हुआ विवाद; पीड़िता ने बेकनगंज थाने में दी तहरीर।

अमन लेखनी समाचार



कानपुर नगर। कानपुर के बेकनगंज क्षेत्र में बेटी को अपने साथ ले जाने को लेकर हुए विवाद में एक महिला और उसकी मौसी के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पति ने बीच रास्ते में पत्नी और उसकी मौसी के साथ गाली-गलौज कर मारपीट की तथा भीड़ जुटने पर जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया। पीड़िता ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोपी पति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।पीड़िता रौशनी उर्फ रुतबा निवासी कुली बाजार, थाना अनवरगंज ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी 19 मार्च 2020 को सादिक निवासी हीरामन का पुरवा के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से पति और ससुराल वालों का व्यवहार उसके प्रति ठीक नहीं रहा, जिसके चलते वह अपने मायके में रह रही है। पीड़िता का कहना है कि उसने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और घरेलू विवाद से संबंधित मुकदमे भी दर्ज करा रखे हैं, जिन्हें वापस लेने के लिए पति लगातार दबाव बनाता था। तहरीर के अनुसार, दंपती की छह वर्षीय बेटी का पालन-पोषण उसके नाना द्वारा किया जा रहा है। इसी पारिवारिक विवाद के सिलसिले में 23 नवंबर 2026 को सुबह करीब नौ बजे रौशनी बेकनगंज थाने शिकायत करने पहुंची थी। शिकायत के बाद वापस लौटते समय रूपम चौराहे के पास सादिक कथित तौर पर बेटी को अपने साथ ले जाने लगा। जब रौशनी और उसके साथ मौजूद मौसी ने बच्ची को ले जाने से मना किया, तो आरोप है कि सादिक ने गाली-गलौज शुरू कर दी और दोनों के साथ मारपीट की। घटना के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जुटने लगी तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग निकला। पीड़िता ने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपी पति के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। पुलिस को दी गई तहरीर के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पशु चोरी के बाद समरसेविल की केबल भी गायब, दो रात में दो वारदातों से परिवार दहशत में

रघुनाथपुर में घर की बाउंड्री के अंदर से चार लाख रुपये कीमत के पांच पशु चोरी, अगले दिन करीब 50 मीटर केबल भी उखाड़ ले गए चोर; पीड़िता ने पुलिस कार्रवाई न होने पर जताई नाराजगी।

अमन लेखनी समाचार



कानपुर नगर। कानपुर नगर के घाटमपुर क्षेत्र में चोरी की लगातार दो घटनाओं से एक परिवार दहशत में है। रघुनाथपुर गांव में एक महिला के घर की बाउंड्री के अंदर से पांच पशु चोरी होने के बाद अगले ही दिन घर के पास लगे समरसेविल की करीब 50 मीटर केबल भी अज्ञात चोर उखाड़ ले गए। पीड़िता का आरोप है कि दोनों घटनाओं की सूचना पुलिस को देने के बावजूद अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई, जिससे परिवार भयभीत है। ग्राम रघुनाथपुर, चौकी पतारा निवासी अर्चना पत्नी चंद्र प्रकाश सिंह के मुताबिक, 21 नवंबर 2026 की रात करीब 10 बजे वह परिवार के साथ घर के अंदर सो रही थीं। 22 नवंबर की सुबह लगभग चार बजे नींद खुलने पर उन्होंने घर की बाउंड्री के अंदर बंधे पशुओं को गायब पाया। चोरी गए पशुओं में दो भैंस, दो भैंसा और एक गाय शामिल हैं। पीड़िता ने इन पशुओं की कीमत करीब चार लाख रुपये बताई है। पशुओं के गायब होने की जानकारी मिलते ही उन्होंने गांव और आसपास के इलाकों में तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने डायल 112 पर सूचना दी। पुलिस की ओर से थाने जाकर शिकायत करने की बात कहे जाने पर उन्होंने 22 नवंबर को घाटमपुर थाने में लिखित शिकायत भी दी। पीड़िता का आरोप है कि पशु चोरी की घटना के बाद भी चोरों ने वारदातों का सिलसिला नहीं रोका। 22 नवंबर की रात परिवार दोबारा घर में सोया था। 23 नवंबर की तड़के करीब तीन बजे उनकी नींद खुली तो घर के पास लगे समरसेविल की लगभग 50 मीटर केबल गायब मिली। इस घटना की सूचना भी डायल 112 को दी गई और चौकी पतारा में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई। अर्चना का कहना है कि लगातार दो रात चोरी की घटनाओं से उनका परिवार असुरक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने पुलिस से दोनों घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज कर अज्ञात चोरों का पता लगाने, चोरी गए पशुओं को बरामद करने और केबल चोरी के मामले में कार्रवाई करने की मांग की है। पीड़िता ने अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।

ककरबई पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान, बाल विवाह रोकने की दिलाई शपथ



बाल विवाह के दुष्परिणामों और कानूनी प्रावधानों की दी जानकारी

अमन लेखनी समाचार

गरौठा, झांसी। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत शुक्रवार को थाना ककरबई पुलिस द्वारा मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत ग्राम कैरोखर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झांसी विकास कुमार के निर्देशन में आयोजित अभियान के दौरान पुलिस टीम ने ग्रामीणों, महिलाओं एवं बालिकाओं को बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बाल विवाह कानूनन अपराध है और इससे बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस दौरान लोगों को बाल विवाह जैसी कुप्रथा रोकने, बालिकाओं की शिक्षा एवं अधिकारों को बढ़ावा देने तथा बाल विवाह की जानकारी तत्काल पुलिस या संबंधित विभाग को देने के लिए जागरूक किया गया। ककरबई पुलिस ने आमजन से अपील की कि बाल विवाह रोकने में सहयोग करें और बच्चों के सुरक्षित एवं उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अपनी सहभागिता निभाएं।

कुरेपुरा कनार पंचायत में विकास कार्यों की जांच में मिली अनियमितताएं, 1.74 लाख रुपये की वसूली प्रस्तावित

लोकायुक्त के आदेश पर झांसी की त्रिसदस्यीय टीम ने 40 बिंदुओं पर की थी जांच, आठ निर्माण कार्यों में सामने आईं खामियां; तत्कालीन प्रधान, पंचायत सचिव और तकनीकी अधिकारियों की जिम्मेदारी तय

अमन लेखनी समाचार



जालौन। ब्लॉक कुठौंद की ग्राम पंचायत कुरेपुरा कनार में कराए गए विकास कार्यों की जांच में अनियमितताएं सामने आई हैं। लोकायुक्त के आदेश पर करीब दो माह पूर्व झांसी जनपद से आई त्रिसदस्यीय जांच समिति ने ग्राम पंचायत के पूर्व एवं वर्तमान कार्यकाल में कराए गए विकास कार्यों की 40 बिंदुओं पर जांच की थी। जांच आख्या लोकायुक्त को भेजी गई, जिसकी प्राप्त प्रति में कुल 1 लाख 74 हजार 541 रुपये की वसूली प्रस्तावित किए जाने की जानकारी शिकायतकर्ता को दी गई है। जांच रिपोर्ट के अनुसार ग्राम पंचायत में स्वास्थ्य केंद्र पर टाइल्स लगाने, प्राथमिक विद्यालयों में टाइल्स एवं बाउंड्रीवाल निर्माण, सामुदायिक शौचालय के सामने इंटरलॉकिंग, पूर्व माध्यमिक विद्यालय के कक्ष में टाइल्स लगाने, पंचायत भवन में प्लास्टरिंग समेत आठ निर्माण कार्यों में प्रक्रियात्मक एवं अन्य अनियमितताएं पाई गईं। स्थलीय जांच और उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर इन कार्यों में कुल 1,74,541 रुपये की वसूली प्रस्तावित की गई है।

इन आठ कार्यों में प्रस्तावित हुई वसूली

स्वास्थ्य केंद्र में टाइल्स कार्य झ 2,518 रुपये।

प्राथमिक विद्यालय घिलउवा में टाइल्स कार्य झ 27,873 रुपये।

प्राथमिक विद्यालय कुतुबपुर में बाउंड्रीवाल निर्माण झ 3,243 रुपये।

सामुदायिक शौचालय के सामने इंटरलॉकिंग झ 39,033 रुपये।

राकेश शर्मा से बांके बिहारी के घर तक इंटरलॉकिंग झ 5,140 रुपये। पूर्व माध्यमिक विद्यालय के कक्ष में टाइल्स झ 46,614 रुपये।

पंचायत भवन में प्लास्टरिंग झ 44,947 रुपये। अन्य निर्माण कार्य झ 5,173 रुपये।

रिपोर्ट में तत्कालीन ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव और संबंधित तकनीकी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए अलग-अलग धनराशि की वसूली प्रस्तावित की गई है। जांच आख्या अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे), मंडलीय प्राविधिक परीक्षक एवं परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, झांसी की ओर से प्रस्तुत की गई है।

40 बिंदुओं पर हुई इस जांच में आठ कार्यों को लेकर वसूली प्रस्तावित होने के बाद अब संबंधित जिम्मेदारों पर कार्रवाई और धनराशि की वसूली को लेकर निगाहें टिकी हैं।

वाशिंग सेंटर के बाहर मामूली विवाद ने लिया हिंसक रूप, बुजुर्ग पर हमला कर घर का दरवाजा तोड़ने की कोशिश

स्कूटी हटाने को कहने पर युवक से शुरू हुई कहासुनी, कुछ ही देर में महिलाओं समेत कई लोग पहुंचे; पीड़ित पक्ष ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार्रवाई की मांग की।

अमन लेखनी समाचार



कानपुर नगर। बजरिया थाना क्षेत्र के रामबाग में वाशिंग सेंटर के बाहर गाड़ी हटाने को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक रूप ले बैठा। आरोप है कि एक युवक ने पहले 61 वर्षीय बुजुर्ग के साथ मारपीट की और बाद में कई लोगों के साथ पहुंचकर उनके घर में घुसने तथा जानलेवा हमला करने का प्रयास किया। घटना के दौरान पीड़ित और वहां मौजूद कर्मचारियों में दहशत फैल गई। मामले में पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। रामबाग निवासी नितिन जायसवाल के मुताबिक, 23 नवंबर 2026 को दोपहर करीब 2:30 बजे एक अज्ञात युवक स्कूटी लेकर उनके वाशिंग सेंटर के बाहर खड़ा था। उसी दौरान धुली हुई गाड़ी बाहर निकालनी थी, जिस पर उनके पिता शिवलाल जायसवाल ने युवक से गाड़ी पीछे होने की बात कहते हुए रास्ते से हटने को कहा। आरोप है कि इस बात पर युवक बहस करने लगा और शिवलाल के साथ हाथापाई करते हुए उन्हें धक्का दे दिया। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने बीच-बचाव कर किसी तरह मामला शांत कराया, लेकिन कुछ ही देर बाद कई लोग, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं, वहां पहुंच गए और शिवलाल व कर्मचारियों पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों में शामिल एक व्यक्ति ने पानी धोने में इस्तेमाल होने वाली रबर पाइप, जिसके आगे पीतल का नोजल लगा था, से कर्मचारियों और शिवलाल पर वार किए। हमले से बचने के लिए शिवलाल घर के अंदर चले गए और दरवाजा बंद कर लिया, लेकिन आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की नीयत से घर का दरवाजा तोड़ने का प्रयास किया। इसी बीच किसी व्यक्ति द्वारा पुलिस को सूचना दिए जाने पर पुलिस मौके पर पहुंची, जिससे पीड़ित और कर्मचारियों को राहत मिली। आरोप है कि हमलावर जाते समय जान से मारने की धमकी भी दे गए। नितिन जायसवाल ने बताया कि घटना के समय वह रिश्तेदार के यहां शादी होने के कारण उन्नाव में मौजूद थे। पूरे घटनाक्रम की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने बजरिया थाने में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। उनके मुताबिक, घटना वाशिंग सेंटर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद है, जो जांच में अहम साक्ष्य साबित हो सकता है। पीड़ित पक्ष ने फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

दिल्ली ने दिखाई राह: हर बेटी के नाम एक दीया

2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत बनाने का देश ने लिया संकल्प

2,000 महिलाओं, बच्चों और बाल विवाह से बचाई गई बेटियों ने निकाला मशाल जुलूस

अमन लेखनी समाचार





नई दिल्ली। संविधान दिवस और बाल, कम उम्र एवं जबरन विवाह के उन्मूलन के लिए प्रथम अंतरराष्ट्रीय दिवस की पूर्व संध्या पर दिल्ली के कुसुमपुर पहाड़ी इलाके में बाल विवाह के खिलाफ व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने महिलाओं, बाल विवाह से बचाई गई बेटियों और स्थानीय निवासियों के साथ मशाल जुलूस निकालकर समाज को बाल विवाह के उन्मूलन का संदेश दिया। इस दौरान वर्ष 2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त बनाने का सामूहिक संकल्प लिया गया। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) की ओर से आयोजित इस जागरूकता मार्च में करीब 2,000 महिलाओं, बच्चों, बाल विवाह से बचाई गई बेटियों और स्थानीय निवासियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने दीप जलाकर बाल विवाह के खिलाफ अपनी प्रतिबद्धता जताई। केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर ने सभी को शपथ दिलाई कि वे न तो किसी बाल विवाह में शामिल होंगे और न ही इसे बढ़ावा देंगे। कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिलने पर तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित करेंगे। इस अवसर पर सावित्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2024 में शुरू किए गए बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार देश में बाल विवाह की दर वर्ष 2005-06 में 47.4 प्रतिशत थी, जो 2023-24 में घटकर 20.1 प्रतिशत रह गई है। यह भारत की वर्ष 2030 तक बाल विवाह मुक्त होने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 से अब तक सरकार 6.86 लाख से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर चुकी है, जिनके माध्यम से 12.5 करोड़ लोगों तक पहुंच बनाई गई है। बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल पर 72 हजार से अधिक बाल विवाह निषेध अधिकारियों का विवरण उपलब्ध है, जिनमें लगभग 60 हजार अधिकारी ग्राम पंचायत स्तर पर नियुक्त हैं। सरकार बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और हर बेटी को अपने सपने पूरे करने का अवसर देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, मिशन वात्सल्य, मिशन शक्ति, सुकन्या समृद्धि योजना और समग्र शिक्षा जैसी पहलें बेटियों का बचपन सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस मुहिम को देश के हर गांव, हर घर और हर समुदाय तक पहुंचाने में नागरिक समाज संगठनों, सामुदायिक नेतृत्वकर्ताओं और जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं की भूमिका बेहद अहम है। बाल विवाह के खिलाफ सामाजिक चेतना और जनभागीदारी से ही इस कुप्रथा का पूरी तरह उन्मूलन संभव है। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के संस्थापक भुवन ऋभु ने कहा कि वर्ष 2030 तक बाल विवाह का खात्मा अब साकार होने वाला लक्ष्य है। 27 नवंबर को बाल, कम उम्र और जबरन विवाह के उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में मान्यता मिलना इस दिशा में ऐतिहासिक निर्णायक मोड़ है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, सरकार की निर्णायक कार्रवाई, कानून के प्रभावी क्रियान्वयन और समाज की सामूहिक चेतना से बड़ा बदलाव संभव है। भारत ने बाल विवाह की दर में कमी लाकर दुनिया के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। भुवन ऋभु ने कहा कि बाल विवाह बच्चों के अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है और इसे समाप्त करना न्याय की अनिवार्य शर्त है। उन्होंने सभी देशों से इस सामूहिक संकल्प को ठोस कार्रवाई में बदलने का आह्वान किया, ताकि 2030 तक बाल विवाह मुक्त विश्व का सपना साकार हो सके। उल्लेखनीय है कि भुवन ऋभु ने बाल विवाह के उन्मूलन के लिए समर्पित अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित करने की वैश्विक पहल शुरू की थी। मार्च 2026 में संयुक्त राष्ट्र में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने अंतरराष्ट्रीय नेताओं के समक्ष यह मांग दोहराई।

इसके बाद भारत सहित 84 देशों ने प्रस्ताव का समर्थन किया। चार सितंबर 2026 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर 27 नवंबर को बाल, कम उम्र एवं जबरन विवाह के उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किया। कार्यक्रम में जेआरसी के सहयोगी संगठन एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन (एवीए), इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन (आईसीपी), बाल विकास धारा, प्रयास जेएसी, कोसी लोक मंच, बेसिक फाउंडेशन और सहयोग केयर फॉर यू ने भी भागीदारी की।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक–
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com

रोचक जानकारी

शिखर चंद जैन

चॉकलेट-केक-पेस्ट्रीज की बहार
अमेजिंग स्वीट फेस्टिवल्स

चॉकलेट, केक, पेस्ट्री खाने में तुम्हें खूब मजा आता है न! क्या तुम जानते हो, दुनिया के कई देशों में ऐसे फेस्टिवल्स होते हैं, जहां किसी कलाकृति की तरह बहुत ही अनोखे और स्वादिष्ट चॉकलेट, केक, कप-केक बनाए जाते हैं। जानो, दुनिया के ऐसे ही कुछ फेस्टिवल्स के बारे में।



चॉकलेट से बनती हैं कलाकृतियां जर्मनी



जर्मनी के खूबसूरत शहर ट्रयूब्रिंजेन में दिसंबर में एक चॉकलेट आर्ट फेस्टिवल आयोजित होता है। यह यूरोप के प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय चॉकलेट फेस्टिवल्स में शामिल है। यहां दुनिया के अलग-अलग देशों से चॉकलेट निर्माता और कारीगर अपनी स्पेशल चॉकलेट लेकर आते हैं। इस फेस्टिवल की सबसे खास बात है, चॉकलेट से तैयार की गई कलात्मक कृतियां। यहां चॉकलेट की आकर्षक कलाकृतियां और तरह-तरह की मिठाइयां देखने को मिलती हैं। साथ ही चॉकलेट बनाने की तकनीक समझने और अलग-अलग स्वादों का अनुभव करने का भी अवसर मिलता है। क्रिसमस के आस-पास आयोजित होने वाला यह फेस्टिवल जगमगाती रोशनी, सजे हुए बाजारों और चॉकलेट की खुशबू से पूरे शहर को मीठा बना देता है। इस वर्ष यह फेस्टिवल 1 से 6 दिसंबर तक आयोजित होगा। *

चॉकलेट से बनाते हैं आकर्षक मूर्तियां पुर्तगाल



पुर्तगाल के ऐतिहासिक शहर ओबिदोस में हर साल चॉकलेट प्रेमियों के लिए एक शानदार फेस्टिवल आयोजित किया जाता है। यहां चॉकलेट सिर्फ खाने के लिए नहीं, बल्कि कलात्मक कृतियां बनाने के लिए भी इस्तेमाल की जाती है। मार्च में आयोजित होने वाले इस उत्सव में चॉकलेट से बनी मूर्तियां और आकर्षक कलाकृतियां लोगों का ध्यान खींचती हैं। कभी किसी प्रसिद्ध इमारत की आकृति, तो कभी जानवरों और दूसरी खूबसूरत वस्तुओं की प्रतिकृतियां चॉकलेट से तैयार की जाती हैं। यहां चॉकलेट बनाने की प्रतियोगिताएं, वर्कशॉप और अलग-अलग स्वादों की प्रदर्शनी भी आयोजित होती हैं। इस फेस्टिवल में बच्चे और बड़े चॉकलेट बनाने की कला को करीब से समझ सकते हैं। *

सर्कस के संग चॉकफेस्ट का मजा इंग्लैंड

इंग्लैंड के यॉर्क शहर में चॉकफेस्ट बहुत ही अनोखा आयोजन होता है। यह एक जगलिंग और सर्कस कला से जुड़ा उत्सव है, जिसमें कलाकार गेंदों को हवा में उछालने, करतब दिखाने और मनोरंजक प्रस्तुतियां देने का हुनर दिखाते हैं। लेकिन इसमें एक मीठा आकर्षण भी जुड़ा है। यहां चॉकलेट केक बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। प्रतिभागी अपने घरों में बनाए गए चॉकलेट केक लेकर आते हैं। निर्णायक इन केक के स्वाद, बनावट और सजावट के आधार पर उनका मूल्यांकन करते हैं। प्रतियोगिता के बाद दर्शकों को भी इन केक का स्वाद चखने का अवसर मिलता है। *

नेशनल पेस्ट्री डे-कप केक डे अमेरिका



अमेरिका में दिसंबर महीने में मिठाइयों के शौकीनों के लिए दो खास दिवस मनाए जाते हैं। 9 दिसंबर को नेशनल पेस्ट्री-डे, मनाया जाता है। यह दिन पेस्ट्री के स्वाद और बेकिंग कला को समर्पित है। पेस्ट्री को परतों में क्रीम, चॉकलेट, फल और दूसरे स्वादिष्ट पदार्थ भरे जाते हैं। इस दिन लोग अपनी पसंदीदा पेस्ट्री का आनंद लेते हैं। इसी तरह नेशनल कप केक-डे 15 दिसंबर को मनाया जाता है। इस फेस्टिवल के दौरान बनाए जाने वाले कपकेक की खासियत यह है कि हर केक को अलग तरीके से सजाया जा सकता है। किसी पर चॉकलेट क्रीम, किसी पर रंगीन मोती और किसी पर चेरी लगाई जाती है। *

चॉकलेट की मिठास के साथ एंज्वॉयमेंट स्लोवेनिया



यूरोप के स्लोवेनिया देश का राडेव्लित्सा शहर अप्रैल में चॉकलेट की खुशबू से महक उठता है। यहां आयोजित होने वाला चॉकलेट फेस्टिवल वर्ष 2012 से लगातार लोगों को आकर्षित कर रहा है। इस फेस्टिवल में स्थानीय और विदेशी चॉकलेट निर्माता अपने उत्पाद लेकर पहुंचते हैं। चॉकलेट की अलग-अलग किस्में, स्वादिष्ट मिठाइयां और अनोखे चॉकलेट उत्पाद लोगों को खूब लुभाते हैं। यहां केवल खाने-पीने का ही आयोजन नहीं होता, बल्कि संगीत, सर्कस प्रस्तुतियां, बच्चों की कार्यशालाएं और मनोरंजक गतिविधियां भी आयोजित की जाती हैं। *

चॉकलेट बनने का सफर ग्रेनाडा



बच्चो, चॉकलेट किसी फैक्ट्री में सीधे तैयार नहीं होती। दरअसल, कोको के पेड़ पर लगने वाले फलों के अंदर मौजूद बीजों को प्रोसेस करके चॉकलेट बनाई जाती है। कैरेबियाई द्वीप ग्रेनाडा में आयोजित चॉकलेट फेस्टिवल में कोको के बागानों का भ्रमण, चॉकलेट बनाने की कार्यशालाएं और स्थानीय संस्कृति से जुड़ी कई रोचक गतिविधियां होती हैं। यहां लोग समझते हैं कि कोको के फल से लेकर स्वादिष्ट चॉकलेट बनने तक कितने चरणों से गुजरना पड़ता है। यहां बच्चों के लिए चॉकलेट बनाने और दूसरे क्रिएटिव एक्टिविटीज का भी आयोजन किया जाता है। *

बच्चो, आपने देश में हजारों रेलवे स्टेशन हैं। लेकिन इनमें से कुछ ऐसे भी है, जिन्हें अलग-अलग विशेषताओं की वजह से सबसे खूबसूरत रेलवे स्टेशन माना जाता है। यहां तीन सबसे खूबसूरत रेलवे स्टेशनों के बारे में बता रहे हैं।

ये हैं देश के सबसे खूबसूरत रेलवे स्टेशन

यह भी जानो

डॉ. विमला भंडारी



प्राकृतिक सुंदरता वाला शिमला रेलवे स्टेशन, शिमला: हिमाचल प्रदेश का शिमला रेलवे स्टेशन, हरे पेड़ों, धुंध और बादलों के बीच छिपा एक छोटा-सा प्यारा-सा घर जैसा लगता है। यहां से 'टॉय ट्रेन' भी चलती है, जो घुमावदार रास्तों, छोटी-छोटी सुरंगों और पुलों से होकर गुजरती है। अगर तुम्हें शांति, ठंडी हवा और प्रकृति की गोद में समय बिताना पसंद है, तो यह रेलवे स्टेशन तुम्हें बहुत सुंदर लगेगा।

स्वच्छ-आधुनिक गांधीनगर कैपिटल रेलवे स्टेशन, गांधीनगर: बच्चो, गुजरात का गांधीनगर रेलवे स्टेशन इतना साफ-सुथरा और सुंदर है कि यहां आने के बाद ऐसा लगता है मानो किसी हवाई अड्डे पर आ गए हों। यहां स्टेशन के ऊपर एक होटल बना है। यहां रोबोट जैसी सीढ़ियां, एनर्जी एफिशिएंट बल्ब और पर्यावरण को स्वच्छ करने वाली मशीनें लगी हैं। यह बच्चों और बुजुर्गों के लिए भी बहुत सुविधाजनक है। आधुनिकता और स्वच्छता के लिहाज से यह देश का बेहतरीन रेलवे स्टेशन माना जाता है। *



राजमहल जैसा छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई: महाराष्ट्र के मुंबई का यह रेलवे स्टेशन काफी पहले बनाया गया था, जब भारत में अंग्रेजों का शासन था। इसकी ऊंची मीनारें, बड़ी-बड़ी खिड़कियां, पत्थरों पर की गई सुंदर नक्काशी इसे किसी राजा के महल जैसा दिखाती है। रात को जब इस रेलवे स्टेशन पर रोशनी जलती है, तो यह किसी राजमहल जैसा जगमगाता है। इस रेलवे स्टेशन को यूनेस्को द्वारा 'विश्व धरोहर स्थल' घोषित किया गया है यानी केवल हम ही नहीं दुनिया भी इसकी सुंदरता की प्रशंसा करती है। ऐतिहासिक दृष्टि से इसे देश का सबसे सुंदर रेलवे स्टेशन माना जाता है।



कविता / दिनेश विजयवर्गीय

सर्दी में सूरज

सूरज दादा सर्दी में
क्यों ठंडे हो जाते
धुंध कोहरे बर्फा में
छिपे कहां रह जाते?
सर्दी में तुम देर से उठते
आलस इतना क्यों करते
मेरी तरह अलार्म घड़ी
लेकर क्यों नहीं सोते?

अपनी रेशम किरणों से
हमें खूब गरमाते
दादागीरी तो गर्मी शॉल
पहने ओढ़े रहते।
देर से आकर गल्दी जाने की
जिद अपनी क्यों करते
क्या मेरी तरह तुम्हारी भी
परिजन राह देखते?



हंसगुल्ले



चिंटू: पता है, कल रात मच्छर मुझे नींद नहीं आई।
पिंटू: क्यों?
चिंटू: इसी डर से कहीं वो खाना न खा ले।

टीचर: जल्दी उठते हैं उसके दो फायदे हैं।
बंटी: क्या फायदे हैं? क्या मुझे भी दो बताओ।
टीचर: एक तो पढ़ने के लिए कहनी नहीं जाती है और दूसरा घर का काम भी नहीं है।

रिंकिया, रोहतक

अंकुर, रायपुर

बंटी: तुम आलू छीले के छक्के मैकाल लगे

जीके क्विज-233

1. लाल से किस वृक्षियों का विशेष किसने सीखा है?
2. इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल का मुख्यालय किसे लिपुरा दिया गया है?
3. पैसिफिक शिकारियों में वर्ष ऑफ द ईयर अवार्ड किसे पहली बार दिया गया है?
4. किसानों का अन्नदाता किसे कहा जाता है?
5. भारत का सर्वाधिक गेहूं उत्पादक राज्य कौन-सा है?
6. कुतुबमीनार का मुख्यद्वार कहां स्थित है?
7. हिंदू पौराणिक राजा का प्रसिद्ध तीरंदाज है?
8. भारत में सबसे अधिक वर्षा किस स्थान पर होती है?
9. देश में किस वर्ष पहली टेस्ट ट्रेन सार्वजनिक तौर पर चलाई गई थी?
10. मनुष्य शरीर छोड़ने के बाद कौन-सी जैव छोड़ता है?

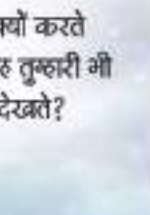

बच्चो, जीके क्विज-233 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके क्विज-232 का उत्तर: 1.राशिद खान, 2.तिरुवनंतपुरम, 3.डॉ. वर्गीज कुरियन, 4.दादा भाई नौरोजी, 5.आवर्तन, 6.बुध, 7.रेमन मैग्सेसे पुरस्कार, 8.ब्लड शुगर, 9.अमेजन, 10.मध्य प्रदेश

जीके क्विज-232 का सही उत्तर देने वाले: तमन्ना-कोरबा, सतीश-ईमेल से, रोशन-बिलासपुर, प्रियंका-रायपुर, अंशु-राजनांदगांव, जितेन-रोहतक, राजन-महासमुंद, हर्षिता-बलौदा बाजार, कुसुम-कटनी, प्रियंजन-दुर्ग, कुणाल-हिसार



कहानी

शकुंतला कालरा

पंकज पांचवीं क्लास में पढ़ता है। बहुत ही समझदार और शांत स्वभाव का है। स्कूल से आकर पहले वह अपना होमवर्क करता फिर खेलने जाता है। रोज की तरह होमवर्क करने के लिए उसने अपना बैग उठाया। किताब-कॉपी निकालने के बाद अपना पेंसिल-बॉक्स खोला। उसमें उसकी नई पेंसिल नहीं थी। कल ही वह प्यारी-सी लाल पेंसिल मम्मी ने दिलाई थी। इस पेंसिल के गायब होने से वह उदास हो गया। उसका होमवर्क में मन नहीं लग रहा था। थोड़ी देर बाद मम्मी कमरे में आईं तो पंकज को उदास बैठे देखकर पूछा, 'क्या बात है बेटा, तबियत तो ठीक है ना?'

पंकज चुप रहा। मम्मी ने प्यार से उसके सिर पर हाथ फेरा, पूछा, 'क्या होमवर्क में कुछ मुश्किल आ रही है? लाओ, मैं तुम्हारी कुछ मदद कर दूं।'

पंकज ने सुबकते हुए बताया, 'मम्मी, मेरी नई पेंसिल खो गई।'

'कहां खो गई? ध्यान से देखो, बैग में ही होगी। क्या आज स्कूल ले गए थे? शायद घर में ही भूल गए हो।' मम्मी बोलीं।

'नहीं, मैं उसे स्कूल ले गया था, क्लास में उसी पेंसिल से लिखा था।' पंकज ने बताया।

मम्मी ने उसे प्यार से समझाया, 'स्कूल से निकलने से पहले अपना सामान जरूर संभाल लेना चाहिए। चलो, कोई बात नहीं। कल स्कूल जाने पर मिल जाएगी।'

पंकज की थोड़ी आस बंधी। उस दिन वह न होमवर्क ठीक से कर पाया और न ही रात को ढंग से कुछ खा पाया। रात भर सपने में भी उसे वही लाल रंग की सुंदर पेंसिल दिखाई देती रही।

दूसरे दिन पंकज सुबह जल्दी उठ गया। झटपट तैयार हो गया। उसे स्कूल जाने की आज बहुत जल्दी थी। पहला पीरियड क्लास टीचर का ही था। सबकी हाजिरी के बाद मैडम ने क्लास-वर्क के लिए कॉपी खोलने को कहा तो पंकज ने मैडम से अपनी पेंसिल खो जाने की बात बताई। मैडम ने पूरी क्लास को अपने-अपने पेंसिल-बॉक्स चेक करने को कहा। पेंसिल किसी के भी पास नहीं थी। पंकज और ज्यादा उदास हो गया।

दो दिन बाद पंकज होमवर्क करने बैठा तो मम्मी ने देखा, पंकज के पास लाल रंग की वही पेंसिल थी। उन्होंने पूछा, 'अरे, पेंसिल खोने पर इतना शोर मचाया। पेंसिल मिल जाने पर बताया भी नहीं।'

पंकज कुछ नहीं बोला। उसके चेहरे पर उदासी छाई रही।

'तुम पेंसिल मिलने पर खुश क्यों नहीं हो?' मम्मी को आश्चर्य हो रहा था। पंकज रोने लगा।

'अरे.. इसमें रोने की क्या बात है?' मम्मी ने पुचकारते हुए पूछा।

पंकज ने सब कुछ सच-सच मम्मी को बता दिया, 'यह पेंसिल मेरी पेंसिल जैसी है जरूर, लेकिन यह मेरी पेंसिल नहीं है। यह लंच टाइम में क्लास में गिरी हुई मिली। पहले तो मैं बहुत खुश हुआ, पर जब ध्यान से देखा तो पाया यह मेरी नहीं है। अब मैं इसे किसी को नहीं दूंगा।'

मम्मी सारी बात समझ गईं। उन्होंने उसे डांटा नहीं। बड़े प्यार से समझाया, 'देखो बेटा, जिस बच्चे की पेंसिल खोई होगी, वह भी तुम्हारी ही तरह परेशान होगा। हो सकता है उसे घर में खूब डांट भी पड़ी हो अपनी लापरवाही के कारण।'

'पर मम्मी, मुझे उससे क्या? मैं भी तो परेशान हुआ और फिर मैंने किसी की पेंसिल चुराई नहीं है। मुझे वहीं गिरी हुई मिली है।' पंकज नहीं चाह रहा था, वह इस पेंसिल को उस बच्चे को वापस करे, जिसकी है।

मम्मी ने उसे फिर समझाया, 'देखो बेटा, यह ठीक है कि यह पेंसिल तुम्हें गिरी हुई मिली, लेकिन तुम्हें इसे अपनी टीचर को दे देना चाहिए था। वह पूरी क्लास से पूछतीं और जिसकी होती, उसे मिल जाती।'

'पर मेरी पेंसिल तो किसी ने वापस नहीं की। मैं भी नहीं दूंगा।' पंकज ने तर्क दिया।

'नहीं बेटा, तुम ऐसा नहीं करोगे। किसी की चीज इस तरह चुपचाप रख लेना गलत बात है। अच्छे बच्चे ऐसा नहीं करते। मैं तुम्हें वैसी ही नई पेंसिल दिला दूंगी। तुम कल जाते ही अपनी क्लास टीचर को यह पेंसिल सौंप देना।' मम्मी ने आदेश के स्वर में कहा।

पंकज फिर सोच में पड़ गया, बोला, 'लेकिन मेरी पेंसिल..?'

'वह भी मिल जाएगी। बेटा यह जान लो, अगर हर बच्चा इसी ईमानदारी के साथ दूसरे की चीज वापस कर दे तो कोई परेशान-दुःखी नहीं होगा।' मम्मी बहुत प्यार से बोलीं।

पंकज ने दूसरे दिन पहले ही पीरियड में पेंसिल अपनी क्लास-टीचर को दे दी। उन्होंने क्लास में बच्चों से पूछा, 'यह पेंसिल किसकी है?'

तरुण तुरंत खड़ा होकर बोला, 'मैडम, यह मेरी पेंसिल है।'

मैडम ने उसे पेंसिल दे दी। तरुण बहुत खुश हुआ। उसे खुश देखकर पंकज को लगा, जैसे उसकी पेंसिल मिल गई हो। लंच टाइम में तरुण ने पंकज को 'थैंक यू' बोला और बताया, 'मैं कल घर पर सारा दिन रोता रहा। न कहीं खेलने गया, न रात को कुछ खाया। यह पेंसिल मेरी दीदी ने मेरे बर्थ-डे पर मुझे गिफ्ट दिया था। मैं इस पेंसिल को बहुत लकी मानता हूं।'

पंकज बहुत खुश था। वह बड़ा हल्का महसूस कर रहा था। अब वह अपनी पेंसिल का दुःख भी भूल गया। घर आकर उसने क्लास की सारी बातें मम्मी को बताईं। वह बहुत खुश हुईं।

दो दिन बाद पंकज क्लास वर्क कर रहा था, तो उसका रबड़ डेस्क से नीचे गिर गया। जैसे ही रबड़ ढूंढने के लिए उसने अपना डेस्क पीछे किया, उसे डेस्क के बीच में अटकी अपनी लाल पेंसिल नीचे गिरती दिखाई दी। उसने झट उसे उठाया और जोर से बोला, 'मिल गई.. मिल गई.. मेरी पेंसिल मिल गई..!'

मैडम ने देखा पंकज बहुत खुश है। उन्होंने पूरी क्लास को समझाया, 'देखा बच्चो, अच्छा काम करने वाले के साथ अच्छा होता है। इसलिए हमेशा अपनी नीयत साफ रखो।' *

साफ नीयत

पंकज अपनी फेवरेट लाल पेंसिल खो जाने से बहुत उदास था। दूसरे दिन उसे क्लास में वैसी ही एक लाल पेंसिल गिरी हुई मिली, वह उसे घर ले आया। मम्मी ने उसे समझाया, दूसरों की चीज इस तरह रख लेना गलत बात है। अगले दिन पंकज ने वह पेंसिल क्लास टीचर को वापस कर दी। लेकिन क्या उसे अपनी खोई लाल पेंसिल मिली?



अंतर बताओ

बच्चो, यहां एक साथ बैठकर ड्रॉइंग बना रहे बच्चों के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन दोनों चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम पहचानकर इन दोनों चित्रों में पांच अंतर ढूंढकर बताओ।



उत्तर: 1. लड़की द्वारा पहनी हुई टी-शर्ट के डिजाइन का अलग होना। 2. लड़की के हाथ में पकड़ी हुई पेंसिल का अलग होना। 3. लड़की के बालों में लगी क्लिप का अलग होना। 4. लड़के के हाथ में पकड़ी हुई पेंसिल का अलग होना। 5. लड़के द्वारा पहनी हुई शर्ट के डिजाइन का अलग होना।

तुम्हारे लिए नई किताब / समीर गांगुली

रहस्य-रोमांच से भरा बाल-उपन्यास

बच्चो, रहस्य-रोमांच या जासूसी कहानी पढ़ने में खूब मजा आता है न! कुछ समय पहले रोमांच से भरपूर एक जासूसी बाल उपन्यास 'आतंकी मोर' छपकर आया है। इसकी लेखिका हैं अंकिता जैन। इसकी कहानी कुछ ऐसी है कि एक गांव में मोरों ने बड़ा आतंक मचा रखा है। वे बच्चों को गायब कर रहे हैं। रात को भयानक शोर मचाते हुए आते हैं और सुबह पता चलता है, एक बच्चा गायब हो गया है। अब तक चार बच्चों का अपहरण हो चुका है। इस गांव में चीनू-मीनू के मामा रहते हैं। वे दोनों अपने मामा के इस गांव में कुछ दिन के लिए आते हैं। यहां बच्चों के अपहरण की घटना के बारे में पता चलने पर वे दोनों ठानते हैं कि मोरों द्वारा बच्चों का अपहरण करने के पीछे की सच्चाई का पता करके ही रहेंगे। क्या वे ऐसा कर पाए? क्या गांव के अपने दोस्तों भोला और पिंटू के साथ मिलकर चीनू-मीनू आतंकी मोरों के रहस्य का पर्दाफाश करने में सफल हुए? इसे जानने के लिए तुमको यह उपन्यास पढ़ना होगा। *



किताब : आतंकी मोर (बाल उपन्यास), लेखिका : अंकिता जैन,
मूल्य : 199 रुपए, प्रकाशक : अनबाउंड स्क्रिप्ट, नई दिल्ली